दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 54/ अंक 149
पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
dainiksandhyaprakash.in
भोपाल, बुधवार 25 दिसंबर 2024
भोपाल से प्रकाशित
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

प्रधानमंत्री मोदी ने किया केन- बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास

खजुराहो, सांध्यप्रकाश संवाददाता। खजुराहो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केन- बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास किया। पीएम ने प्रोजेक्ट के मॉडल पर केन नदी का जल प्रवाहित करके परियोजना का शुभारंभ किया। पीएम ने इस मौके पर ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने खजुराहो में अपने संबोधन की शुरुआत बुंदेलखंडी में की। भारत माता की जय के बाद पीएम बोले- वीरों की धरती ई बुंदेलखंड पर रहवे वारे सभी जनन को हमाई तरफ से हाथ जोड़के राम-राम पहुंचे।

सुशासन भाजपा सरकारों की पहचान : मोदी

पीएम मोदी खुली गाड़ी में सवार होकर कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए मंच की ओर गए। उन्होंन लोगों का अभिवादन स्वीकर किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद रहे। मंच पर प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, तुलसी सिलावट, राकेश सिंह, दिलीप अहिरवार, एसीएस राजेश राजौरा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मंच पर पहुंच कर पीएम मोदी ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर माल्यापर्ण किया।

एक साल में मध्यप्रदेश की रफ्तार दिख रही है: पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत बुंदेलखंड की भाषा से की और ईसाई समाज के लोगों को क्रिसमस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सुशासन दिवस एक दिन का कार्यक्रम भर नहीं है। सुशासन भाजपा सरकारों की पहचान है। देश की जनता ने लगातार तीसरी बार केंद्र में भाजपा की सरकार बनाई। मप्र में आप सभी लगातार भाजपा को चुन रहे हैं। इसके पीछे सुशासन का भरोसा ही सबसे प्रबल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदेश की मोहन यादव सरकार को एक साल पूरा हो गया है। मप्र के लोगों को मैं इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस एक साल में प्रदेश में विकास की अलग रफ्तार दिख रही है। आज केन-बेतवा लिंक परियोजना, दौधन डैम और ओंकारेश्वर फ्लोटिंग प्लांट का शिलान्यास हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आज बहुत प्रेरणादायी दिन है। आज अटलजी की जन्म जयंती है। आज उनके जन्म के 100 साल हो रहे हैं। अटल जी की जयंती का ये पर्व सुशासन और सुसेवा की हमारी प्रेरणा का भी पर्व है। जब मैं अटलजी की स्मृति में सिक्का और डाक टिकट जारी कर रहा था तो मन में कई बातें चल रही थीं। उन्होंने मुझ जैसे कई कार्यकर्ताओं को सिखाया है। देश के विकास में अटलजी का योगदान हमारे स्मृति पटल पर अटल रहेगा।

हमने पुराने रिकॉर्ड तोड़कर काम किया है

पीएम मोदी ने कहा देश में जब जब भाजपा को जहां जहां सेवा करने का मौका मिला है। हमने पुराने रिकॉर्ड तोड़कर काम किया है। आजादी के दिवानों ने जो सपने देखे थे, उन्हें साकार करने के लिए हम दिन रात पसीना बहा रहे हैं। अतीत में कांग्रेस की सरकारें सिर्फ घोषणाएं करने का काम करती थी। अखबारों में विज्ञापन देना, दीए जलाना ही उनका काम था। 35-35 साल बीते के बाद भी योजनाओं का काम शुरू नहीं होता था। पीएम मोदी ने कहा- मप्र में 1100 से अधिक अटल ग्राम सेवा सदन के निर्माण का काम आज से शुरू हो रहा है। इसके लिए पहली किस्त जारी की गई है। अटल ग्राम सेवा सदन गांवों के विकास को नई गति देंगे।

मैं तो जो विद्वान लोग हैं, जो लिखा-पट्टी में माहिर हैं, उनसे निवेदन करूंगा। आजादी 75 साल हो चुके हैं। एक-दो पैरामीटर लगाएं और हिसाब लगाएं। जहां कांग्रेस वाले होते हैं वहां क्या होता है? जहां कम्यूनिस्टों ने सरकार चलाई वहां क्या हुआ? जहां मिली-जुली सरकारें चली वहां क्या हुआ? जहां-जहां भाजपा को सरकार चलाने का मौका मिला वहां क्या हुआ? मैं दावा करता हूं, जब-जब भाजपा को सेवा करने का मौका मिला है, हमने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए जनहित और विकास के कामों में सफलता पाई है।

अटलजी का सपना मोदी जी पूरा कर रहे हैं: मोहन यादव

खजुराहो में केन बेतवा लिंक परियोजना के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- आज सुखद संयोग है। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक सपना देखा, इसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पूरा कर रहे हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि आज मध्य प्रदेश की धरती पर अनोखा इतिहास लिखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अलटजी ने जो सपना देखा वो आज पीएम मोदी के मार्गदर्शन में पूरा हो रहा है। मैं पीएम मोदी का आभार मानता हूं कि उन्होंने सरकार में आने के बाद किसान, गरीब समेत समाज के सभी वर्गों की चिंता की। केन- बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड के 10 जिलों में पेयजल, साढ़े 8 लाख खेतों को सिंचाई और उद्योग धंधों को पानी मिलेगा।

कांग्रेस बुंदेलखंड का भला नहीं सोच सकती

सीएम मोहन यादव ने पीएम मोदी का आभार मानते हुए कहा कि आपने सरकार, समाज और व्यवस्था पर समान रूप से ध्यान रखते हुए जो आदर्श स्थापित किए, उसके लिए में आपको नमन करता हूं। आपने जयपुर में सही कहा था, हमारा देश बाकी देशों के लिए आदर्श बनना चाहिए। देश के सभी राज्यों के बीच समन्वय होना चाहिए। लेकिन, कांग्रेस ने वर्षों तक यह नहीं किया। आज भी उनसे यह सब नहीं देखा जा रहा है। वे कभी बुंदेलखंड का भला नहीं सोचते हैं।

अटल जी पर डाक टिकट जारी

सीएम डॉ. मोहन यादव के भाषण के बाद पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। वाजपेयी पर डाक टिकट जारी किया गया।

सशक्त और समृद्ध बनेगा बुंदेलखंडः शर्मा

केन-बेतवा लिंक परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने अपने संबोधन से की। इस दौरान उन्होंने परियोजना को लेकर पीएम मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब बुंदेलखंड सशक्त और समृद्ध बनेगा।

कलश यात्रा का स्वागत

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश शासन के मंत्री प्रहलाद पटेल एवं दिलीप आहिरवार ने बुधवार को खजुराहो में कटनी से आई जल कलश यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान विधायक अरविन्द पटेरिया सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हिमाचल में बर्फबारी

मध्यप्रदेश सहित 9 राज्यों में कोहरा

नई दिल्ली/भोपाल। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी हुई है। लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान माइनस 6.9 डिग्री से नीचे चला गया है। मध्यप्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कोहरा छाया हुआ है। कई जगह बारिश हुई है।

हिमाचल में बर्फबारी के बाद तीन नेशनल हाईवे समेत 223 सड़कें बंद कर दी गईं। शिमला में सबसे ज्यादा 145 सड़कें बंद की गईं, जबकि कुल्लू में 25 और मंडी जिलों में 20 सड़कें बंद की गईं। इससे वहां पहुंचे टूरिस्ट्स फंस गए हैं। सड़कों पर गाड़ियों की लंबी लाइनें लगी हैं। राजस्थान और दिल्ली में बारिश हुई। आईएमडी के मुताबिक अगले दो दिन दिल्ली एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान और कम हो सकता है। 9 राज्यों मे घने कोहरे का भी अलर्ट है। हरियाणा के कुछ जिलों में विजिबिलिटी 10 मीटर से कम हुई। वहीं, दिल्ली में विजिबिलिटी घटकर 100 मीटर से कम हो गई। दिल्ली एयरपोर्ट ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि कुछ फ्लाइट्स प्रभावित हो सकती है।

मप्र में मावठा, कई शहरों में विजिबिलिटी 50 मीटर

मध्यप्रदेश में सीजन का पहला मावठा गिर रहा है। बुधवार सुबह 9 बजे तक कई शहरों में घना कोहरा छाया रहा। सीहोर में विजिबिलिटी 50 मीटर तक पहुंच गई। पिछले 24 घंटे में 10 से ज्यादा जिलों में हल्की बारिश हुई। ऐसा ही मौसम अगले 4 दिन यानी 28 दिसंबर तक बना रहेगा। 27 दिसंबर को ओले-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनेगा। जिसका भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत पूरे प्रदेश में असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार-मंगलवार की रात में भिंड-सीहोर में बारिश हुई। वहीं, मंगलवार को पन्ना, दतिया, टीकमगढ़, बड़वानी, खजुराहो, निवाड़ी, मुरैना, भिंड, अशोकनगर, श्योपुर में हल्की बारिश दर्ज की गई। भोपाल में पूरे दिन बादल छाए रहे। वहीं, सर्द हवाएं चलीं। जिससे लोग ठिठुर गए। इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी ऐसा ही मौसम रहा। हालांकि, दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। सोमवार-मंगलवार की रात में प्रदेश के कई शहरों में तापमान 5 डिग्री तक लुढ़क गया। मंडला में सबसे कम 9.3 डिग्री दर्ज किया गया। कल्याणपुर, खजुराहो, नरसिंहपुर, रायसेन, उमरिया, दमोह, रीवा, पचमढ़ी, बैतूल, नौगांव, राजगढ़, मलाजखंड, खंडवा, रतलाम, सतना, खरगोन, गुना, टीकमगढ़ में पारा 14 डिग्री से नीचे रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में पारा 13 डिग्री से ज्यादा ही दर्ज किया गया।

क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल बैरागढ़ में क्रिसमस समारोह का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। क्राईस्ट मेमोरियल सी. से. स्कूल, बैरागढ़ में क्रिसमस समारोह का आयोजन बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस विषेष अवसर पर विद्यालय के मुख्य अतिथि के रूप में माननीय अध्यक्ष महोदय डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह का शुभारंभ प्रार्थना गीत के साथ किया गया। इसके पश्चात छात्रों ने क्रिसमस की महत्ता पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों द्वारा नृत्य, नाटक, भाषण आदि की प्रस्तुतियाँ दी गई। 'जिंगल बेल्स' नृत्य ने सभी के दिलों को छू लिया। छात्र-छात्राओं के नृत्य और नाटक आकर्षण का केन्द्र रहा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा येषु मसीह के पैदा होने की स्किट प्रस्तुत कि गई, जिसे विद्यालय की षिक्षिका श्रीमती ग्रेसी मैथ्यूज़ एवं सुसन अनुप द्वारा प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी ने अपने संबोधन में कहा- येषु मसीह को शांति का राजकुमार कहा गया है। वह इस पृथ्वी पर मानव जाति को शांति प्रदान करने के लिए जन्म लिए थे। विद्यालय के प्राचार्य श्री परमेन्द्र दरयानी जी एवं उप-प्राचार्या सुश्री रीना मंडलोई जी ने सभी छात्र-छात्राओं को क्रिसमस व नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। मंच संचालन मिस लतीका जगेषा द्वारा किया गया।

बढ़ती ठंड से बचने भीमनगर में महिलाओं को बांटे कम्बल

भोपाल। बढ़ती हुई ठंडी को ध्यान में रखते हुए भीम नगर में महिलाओं को कम्बल का वितरण किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता भैया लाल झरबड़े एवं शिशुपाल यादव एवं श्रद्धा झरबड़े ने भीमनगर पहुंचकर महिलाओं को कम्मल वितरण किया। इस अवसर पर श्रद्धा ने कहा कि हम सबको मिलकर ऐसे मध्यमवर्गीय परिवारों को कंबल एवं अन्य सामान वितरण करना चाहिए ताकि गरीब परिवार में खुशियां बनी रहे।

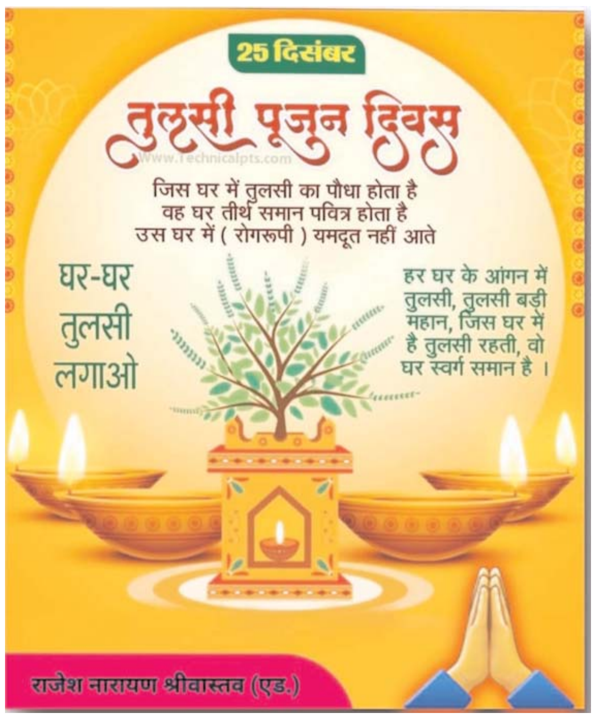

वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध अभियान निरंतर जारी

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री सड़कों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाकर वायु गुणवत्ता एवं शहर की स्वच्छता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत सख्त कार्यवाही करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री, सड़कों सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवन पर ग्रीन नेट न लगाने वालों सहित साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की और सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध 12 प्रकरणों में 16 हजार 400 रूपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की।

क्रिसमस और न्यू इयर की धूम, वेस्टर्न ड्रेस में सखी सहेलियों ने मनाई खुशियां

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी के एक्टिव महिलाओं के ग्लैमर ग्रुप ने क्रिसमस की पूर्व संध्या और नए साल के आगमन का जश्न केरवा डेम स्थित एक निजी स्थल पर धूमधाम से मनाया। इस खास मौके पर सभी सखी सहेलियां अपने अनोखे अंदाज में नजर आईं। ग्रुप की प्रमुख निशिता सिंह ने बताया कि सभी सदस्य एक-दूसरे को बधाई देते हुए गिफ्ट्स का आदान-प्रदान कर रही थीं, और सांता के साथ गिफ्ट्स भी दिए गए।इसके अलावा, इस खास आयोजन में फिल्मी तरानों पर डांस और मनोरंजन के लिए गेम्स भी खेले गए। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख सदस्य थे- एडमिन निशिता सिंह, सारिका कपूर अग्रवाल, तोशीबा कोहली खरे, अनामिका शर्मा, अंशुल शर्मा, वंशिका तलरेजा, प्रतिभा यादव, डॉ. गरिमा अग्रवाल, दीपिका सोबती, आराधना श्रीवास्तव, अमिता श्रीवास्तव, दिव्या शास्त्री, मोनिका यादव, पलक मालवीय, भारती नारायणी, पलक आहूजा और अन्य। यह कार्यक्रम न केवल नए साल का स्वागत था, बल्कि सखी सहेलियों के बीच प्यार और दोस्ती को और भी मजबूत करने का एक अद्वितीय अवसर था। इस तरह के आयोजन समाज में महिला सशक्तिकरण और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के अच्छे उदाहरण के रूप में सामने आते हैं।

4 जनवरी को होगा विधायक बोट रेस का आयोजन, दिया आमंत्रण

संत हिरदाराम नगर। संत नगर में स्वर्गीय कनछेदीलाल केवट की स्मृति में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़े तालाब बेहटागांव में विधायक बोट रेस का आयोजन होगा। इसके लिए आयोजन समिति ने विधायक रामेश्वर शर्मा को आमंत्रण दिया। आयोजन के अध्यक्ष रोहन केवट ने बताया कि बोट रेस का यह आयोजन 4 जनवरी दिन शनिवार को प्रात: 10 बजे, संत नगर में होगा। अपनी भव्यता से प्रतिष्ठित हो चुके इस बोट रेस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में लोग भाग ले रहे हैं।

घुमक्कड़ और अर्ध घुमक्कड़ समुदाय के ऐसे लोग जिनके कभी जाति प्रमाण पत्र नहीं बने थे ऐसे तीस लोगो के जाति प्रमाण पत्र बनाए गए

बैरसिया। मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व के तहत जनपद पंचायत सभाग्रह बैरसिया में घुमक्कड़ और अर्ध घुमक्कड़ समाज के लोगो के जाति प्रमाण पत्र बनाए गए।इस दौरान 30 ऐसे लोगो के जाति प्रमाण पत्र बनाए गए जिनके वर्षों से जाति प्रमाण पत्र नहीं बने थे।इस अवसर पर एसडीएम बैरसिया आशुतोष शर्मा,तहसीलदार करुणा दण्डोतिया ,पार्षद नीरज नामदेव,पार्षद प्रतिनिधि रज्जु कुशवाह ,समाजसेवी हाशिम अली सहित प्रशासनिक अमला मोजूद रहा।

ट्रेन में चोरी करने वाला आरोपी जीआरपी की गिरफ्त में

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रेलवे पुलिस भोपाल के पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा (भापुसे) के निर्देश और ग्वालियर रेलवे उप पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह कुल्हारा के मार्गदर्शन में ग्वालियर एनजी क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 23 दिसंबर 2024 को ट्रेन में चोरी करने वाले एक शातिर आरोपी को पकड़ने में जीआरपी ग्वालियर एनजी को सफलता मिली। 14 अक्टूबर 2024 को फरियादी अविनेश चंद्र, निवासी चंदौली (उत्तर प्रदेश), पुरी-ग्वालियर एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रहे थे। मालनपुर रेलवे स्टेशन से पहले उनका बैग चोरी हो गया, जिसमें 15,000 नकद, कपड़े, और कागजात सहित कुल 15,000 मूल्य का सामान था। इस घटना की रिपोर्ट पर जीआरपी ग्वालियर एनजी ने धारा 305 (सी) बीएनएस के तहत मामला (अपराध क्रमांक 189/24) दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने एक विशेष टीम का गठन किया। लगातार प्रयास और मुखबिरों की सहायता से पुलिस ने आरोपी रोहित उर्फ पाम्पी जाटव (उम्र 19 वर्ष, निवासी गरोड़ाकापुरा, जिला मुरैना) को 23 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से 1,300 नकद और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। इसके अलावा, रेलवे लॉन्ड्री के पीछे छिपाकर रखे गए 8 अन्य मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। चोरी के कुल 10 मोबाइल की कीमत 1,69,500 आंकी गई।

आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

आरोपी रोहित जाटव को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई के तहत जीआरपी ग्वालियर एनजी ने केस संख्या 1/24 में धारा 35 (1)(5), 106 बीएनएसएस, और 305 सीबीएनएस के तहत मामले को दर्ज किया।

बरामद सामान: मोबाइल फोन 10 (कुल मूल्य 1,69,500), नकदी 1,300, कुल- 1,70,800।

प्रदेश से चलेंगी 48 से अधिक कुंभ स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। मध्य प्रदेश से प्रयागराज महाकुंभ के लिए रेलवे 48 से अधिक कुंभ स्पेशल ट्रेनें चलाने जा रहा है। 15 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले इस महाकुंभ के लिए रेलवे ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

रानी कमलापति-वाराणसी कुंभ स्पेशल ट्रेन का शेड्यूल: भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से वाराणसी के लिए कुंभ स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन निम्न तिथियों पर चलेगी: 16 जनवरी 2025, 20 जनवरी 2025, 23 जनवरी 2025, 6 फरवरी 2025, 17 फरवरी 2025, 20 फरवरी 2025। रेलवे ने महाकुंभ के लिए देशभर से विशेष ट्रेनें चलाई हैं, जिससे श्रद्धालु सुगम यात्रा कर सकें। मध्य प्रदेश में विभिन्न प्रमुख स्टेशनों से भी इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा।

महाकुंभ 2025: विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन: महाकुंभ मेला, जो 15 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। इसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसको ध्यान में रखते हुए रेलवे ने कुंभ स्पेशल ट्रेनों का विस्तृत शेड्यूल जारी किया है।

यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं: रेलवे ने यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग प्रक्रिया को भी सरल बनाया है और स्टेशनों पर विशेष काउंटर स्थापित किए गए हैं। कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए रेलवे ने अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती भी की है।

जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस निरस्त

उतर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में जयपुर-सवाई माधोपुर खंड में सिरासी-वनस्थली निवाई स्टेशनों के मध्य निर्माण कार्य के चलते जोधपुर-भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस ट्रेन निरस्त की गई है। गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस दिनांक 12.01.2025 को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस दिनांक 13.01.2025 को निरस्त रहेगी।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि में लगा आयुर्वेदिक स्वास्थ्य जांच शिविर

भोपाल। आयुष मंत्रालय की पहल पर देशभर में आयुर्वेद के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के लिए प्रकृति प्रशिक्षण अभियान चल रहा है , अब तक देश भर में प्रकृति परीक्षण अभियान में मध्य प्रदेश में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है,पूरे देश में प्रकृति परीक्षण एक करोड़ से भी अधिक संख्या में किया जा चुके हैं। प्रगति प्रशिक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रकृति का परीक्षण कर तैयार होगा डाटा, आयुर्वेद में उपचार को दी जाएगी प्राथमिकताइस अभियान का अंतिम दिन 25 दिसंबर रखा गया है। 24 दिसंबर को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में लगभग 400 छात्र छात्रों ने प्रकृति प्रशिक्षण अभियान के तहत अपना स्वास्थ्य चेकअप कराया। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में 24 दिसंबर को प्रगति प्रशिक्षण अभियान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रोफेसर राजीव त्रिपाठी ने बताया की आयुर्वेद पद्धति आज की जीवन शैली में अति आवश्यक है क्योंकि व्यक्ति के दिनचर्या एवं खान-पान पर नियंत्रित करने के लिए आयुर्वेद पद्धति उपयोगी साबित हो रही हैद्य मस्तिक को ठीक रखने के लिए काया का ध्यान रखना अति आवश्यक है, क्योंकि काया का निवास मस्तिक में रहता है उन्होंने आगे बताया कि इसमें आयुर्वेद पद्धति अहम कार्य कर सकती है द्य उन्होंने यह भी बताया कि की आयुर्वेद पर ज्यादा से ज्यादा रिसर्च किया जावे, यह हमारे देश की सबसे पुरानी पद्धति है, उन्होंने छात्रों में आयुर्वेद की जागरूकता के लिए जोर देने का शिक्षकों एवं छात्रों से इस दिशा में कार्य करने पर बल दिया और यह भी कहा कि नियमित अंतराल में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए उसी दिशा में यह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय प्रांगण में किया गया है। यह कार्यक्रम राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायोटेक एवं कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया द्य इस कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉ अर्चना तिवारी एवं प्रोफेसर उदय चौरसिया थे इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिसा लिया।

जसवंत दांगी वेलफेयर सोसाइटी के शिविर में हर वर्ग के लोगों ने किया उत्साह के साथ रक्तदान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

क्रिसमस की पूर्व संध्या में एक अनोखा वातावरण था, लोगों की जिंदगी बचाने के लिए सांता क्लाउस बनकर आगे आये भोपालवासी, मौका था जसवंत दांगी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मंगलवार को अरेरा कॉलोनी स्थित 10 नंबर फुलवारी मार्किट में ब्लड डोनेशन कैंप का। यह पंद्रहवां साल था इस कैंप का जिसमे 1000 से भी ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया जिसमे शाम होने तक 237 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया जिसमे महिलाओ ने भी बढ़-चढ़ कर रक्त दान किया। रक्तदान करने वालों में व्यापारी, स्टूडेंट्स, श्रमिक वर्ग, किसान, महिलायें, पुलिस, नेता, आदि सभी शामिल थे जिनके कर्म तो अलग हैं किन्तु आज के दिन मकसद एक ही था, रक्तदान करके किसी जरूरतमंद की जिन्दगी बचानाआयोजक गोपाल ठाकुर और उनके साथियों ने सभी लोगों का धन्यवाद दिया जिन्होंने इस महादान में भाग लिया, इस मुहिम के पीछे मकसद रक्तदान की अहमियत को समझाना एवं लोगों में इसके प्रति जागरूकता लाना था जोकि सफल रहा। हमें उम्मीद है की भोपालवासी आगे भी इसी प्रकार हमारा साथ देते रहेंगे। कई प्रकार की भ्रांतियों को दूर करने के लिए ही जसवंत दांगी वेलफेयर सोसाइटी ने इस आयोजन की नींव रखी, ताकि लोग रक्तदान के महत्वता को समझ जरूरतमंदों की सहायता करें। इस मौके पर राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह (पूर्व मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन), सुरेश पचौरी (पूर्व केंद्रीय मंत्री), राजमणि पटेल (राज्यसभा सांसद), डॉ. उमाशंकर पचौरी (सूचना आयुक्त, मध्य प्रदेश शासन, मुख्य सचिव समकक्ष दर्जा), योगेश कुमार गुप्ता (प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश), अनिल शर्मा (सचिव, मध्य प्रदेश शासन), राहुल सिंह (सूचना आयुक्त), पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, वरिष्ठ नेता गिरीश शर्मा, कैलाश मिश्रा, जितेंद्र मिश्रा, राजकुमार पटेल और अन्य कई नेता, अधिकारी, एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। इन सभी ने इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। इस मौके पर मौजूद, पुनीत टंडन ब्लड बैंक इंचार्ज, हमीदिया अस्पताल, ने बताया की रक्तदान द्वारा मध्य प्रदेश में सन 2001 तक लगभग 60 हजार यूनिट रक्त एकत्रित होता था जोकि आज की तारिख में कई लाख यूनिट तक पहुँच गया है। हम सभी जानते हैं की हर प्रदेश में रक्त की कमी महसूस होती है, जब रक्त दान की बात होती है तो हम सुरक्षित रक्त की बात करते हैं जो एचआईवी एड्स, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, यौन रोग, मलेरिया से मुक्त हो. वैज्ञानिक रूप से यह माना जाता है स्वेछा से किया गया रक्तदान अधिक सुरक्षित होता है और उनमे यह 5 बीमारियाँ होने की सम्भावना कम होती है, इसलिए हम स्वेच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देते हैं। आम आदमी में 4.50 से 5 लीटर ब्लड होता है, एक समय में इसका एक तिहायी लीटर ब्लड निकला जाता है जो बहुत जल्दी ही रिकवर हो जाता है क्यूंकि हमारे शरीर में लाल रक्त कणिकाएं हर 90 से 120 दिन में बदलती हैं, जिसमे प्रतिदिन 1/120 भाग ब्लड बनता एवं नष्ट होता है, इसलिए यह समझना चाहिए की कोई व्यक्ति रक्तदान करे या न करे उसका प्रतिदिन रक्त बनना व नष्ट होना ही है। रक्त दान करने से शरीर में कोई कमी नहीं होती, एवं 18 से 65 वर्ष तक का कोई भी व्यक्ति 3 महीने में दुबारा रक्त दान कर सकता है। वैज्ञानिक यह भी बताते है की रक्तदान करने के बाद बने नए रक्त में ऑक्सीजन कैरी करने की क्षमता ज्यादा होती है जिससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, ऐसे काफी लोग हैं जिन्होंने 50-60 व 100 बार रक्त दान किया है, और जिन्हें कभी यह महसूस नहीं हुआ की रक्तदान करने से उनके शरीर में किसी प्रकार की कोई कमजोरी आई हों।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बौद्ध धम्मगुरु मिले, 9वें अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मेले में आने का दिया आमंत्रण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज राजधानी भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में बौद्ध धम्मगुरु भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो और भंते राहुलपुत्र ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर बौद्ध धर्मगुरुओं ने मुख्यमंत्री को उनके सामाजिक और आध्यात्मिक कार्यों के लिए बधाई दी और आशीर्वाद प्रदान किया। भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने बताया कि हाल ही में उन्होंने संविधान दिवस के अवसर पर लंदन स्थित अंबेडकर हाउस जाकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी थी। इसके साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस बात के लिए विशेष सराहना की कि वे महा बोधि महाविहार और बोधि वृक्ष बोधगया में बुद्ध वंदना में शामिल होकर भिक्षु संघ का आशीर्वाद प्राप्त करने वाले मध्य प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने।भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने मुख्यमंत्री को बुद्ध रूप और लंदन स्थित अंबेडकर हाउस की तस्वीर भेंट कर उनके कार्यों को सम्मानित किया। भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने मुख्यमंत्री को आगामी 26 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले 9वें अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मेले में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। यह मेला वैश्विक बौद्ध समुदाय को एक मंच पर लाने का प्रयास है, जहां विश्वभर से बौद्ध धर्मगुरु, विद्वान, और अनुयायी एकत्रित होकर शांति, करुणा और समानता के संदेश को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि बौद्ध धम्म का शांति, करुणा और समानता का संदेश आज के समाज में और अधिक प्रासंगिक है।

आईएएस जमुना भिड़े के आदेश आदेश को आधार बनाकर 100 करोड़ का खेल

इंदौर। इंदौर कलेक्ट्रेट की कॉलोनी सेल ने 100 करोड़ रुपए का खेल जीरो कर दिया है। यह खेल का आधार एक आईएएस का आदेश था। यह आईएएस जमुना भिड़े हैं, जिनके 8 जनवरी 2024 को दिए गए आदेश को आधार बनाकर कुछ कॉलोनाइजर यह खेल रच रहे थे। यह खेल टीएंडसीपी से होते हुए इंदौर कलेक्ट्रेट तक पहुंच गया था लेकिन कॉलोनी सेल की स्क्रूटनी कमेटी, संयुक्त कलेक्टर व नोडल अधिकारी प्रदीप सोनी ने इसे पकड़ लिया। यह खेल रंगवासा राउ के सर्वे नंबर जमीन 1/2/6, 1/2/5, 4/15, 4/16, 4/17 व अन्य सर्वे नंबर की 6.432 हेक्टेयर जमीन पर हो रहा था। इस जमीन पर कॉलोनी काटने की विकास मंजूरी के लिए राहुल पिता कमल तंवर द्वारा आवेदन किया गया। इस जमीन पर टीएंडसीपी भी 15 फरवरी 2024 को पास हो चुकी है। इस आवेदन की जब कॉलोनी सेल में जांच की गई तो सर्वे नंबर पुराने रिकार्ड में सरकारी निकले। इसके बाद संयुक्त कलेक्टर व कॉलोनी सेल प्रभारी प्रदीप सोनी ने इस मामले में जांच कराई और पूरा रिकार्ड निकाला। इसे फिर कलेक्टर आशीष सिंह के संज्ञान में लाया गया इसके बाद इस जमीन पर विकास मंजूरी के आवेदन को निरस्त कर दिया गया। यहां पर करीब 4 लाख वर्गफीट जमीन पर प्लॉट काटकर बिक्री होना थी, ढाई हजार रुपए प्रति वर्गफीट के हिसाब से भी यह कुल सौ करोड़ रुपए का खेल था, जो अब जीरो हो गया।

आईएएस जमुना भिड़े का आदेश क्या था: दरअसल यह जमीन सामूहिक कृषि सहकारी होकर सरकारी थी। इसे 1969 में गणेश सहकारी संस्था को खेती के लिए दी गई। इसके बाद इस जमीन का कुछ किसानों ने साल 2003-04 के करीब बंटवारा करा लिया इसके बाद साल 2023 में इस जमीन की बिक्री की मंजूरी के लिए तत्कालीन कलेक्टर डॉ. इलैया राजाटी आवेदन लगाया गया, इसे कलेक्टर ने खारिज कर दिया। इसकी अपील अपर आयुक्त आईएएस जमुना भिड़े के पास संभागायुक्त कार्यालय में हुई और उन्होंने 8 जनवरी 2024 को कलेक्टर के आदेश को न्यायोचित नहीं बताते हुए रद्द कर दिया और इस जमीन की बिक्री कि मंजूरी दे दी। इस बिक्री के आदेश को ही आधार बनाकर कॉलोनाइजर राहुल तंवर ने एक महीने में ही टीएंडसीपी से नक्शा पास करा लिया और टीएंडसीपी ने भी बिना जमीन के सरकारी होने के रिकार्ड देखे हुए यहां निजी कॉलोनी विकास की मंजूरी जारी कर मारी।

इसी आधार पर कॉलोनाइजर ने लगा दिया आवेदन: जमुना भिड़े के आदेश से जमीन बिक्री की मंजूरी मिल गई और इसी आधार पर कॉलोनाइजर ने टीएडंसीपी का नक्शा पास कराया और उधर कॉलोनी विकास मंजूरी की फाइल कलेक्ट्रेट में लगा दी। कॉलोनाइजर को लगा यहां से भी पास हो जाएगी। लेकिन इसी दौरान कलेक्टर आशीष सिंह ने इंदौर कलेक्टर का पद संभाला और कॉलोनी सेल में भी बदलाव कर दिए। उनके संज्ञान में पहले अपर आयुक्त जमुना भिड़े का आदेश आया कि बिक्री की मंजूरी मिल गई है। इस पर उन्होंने एसडीएम राउ विनोद राठौर को आदेश देकर राजस्व बोर्ड में इसके खिलाफ अपील करा दी। जो अभी प्रक्रियाधीन है। उधर बिल्डर ने चुपचाप यह खेल रचने की तैयारी कर ली, जिसे कॉलोनी सेल ने जीरो कर दिया।

टॉस्क फोर्स की बैठक में बोले स्कूल शिक्षा मंत्री

नई शिक्षा नीति से हो रहे बदलाव की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन से स्कूल शिक्षा में लगातार बदलाव आ रहा है। इन बदलाव की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुँचाने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षकों के माध्यम से जानकारी को बच्चों और उनके अभिभावकों तक पहुँचाने पर जोर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह मंगलवार को मंत्रालय में टॉस्क फोर्स की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अशासकीय सदस्य के रूप में श्री रविन्द्र कन्हरे, श्री अशोक कडेल, श्री अखिलेश श्रीवास्तव, श्रीमती मेघा मुक्तिबोध और सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल और आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता मौजूद थीं। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने स्कूलों में पढ़ाई के साथ व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा पर जिन ट्रेडों पर शिक्षा दी जा रही है, उनका लगातार अपडेट किया जाना भी जरूरी है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि अगले शैक्षणिक-सत्र में शासकीय स्तर पर अधिक संख्या में पूर्व प्राथमिक शाला खोलने की आवश्यकता है। प्रदेश में अभी कक्षा-1 से नीचे की 4473 प्री-एजुकेशन क्लॉस में बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इन शालाओं में करीब एक लाख बच्चे दर्ज हैं। इन्हें पीएम पोषण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने शासकीय स्कूलों को उत्सव केन्द्र के रूप में विकसित करने की बात भी कही। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने बताया कि प्रदेश में बच्चों को शिक्षा के दिलचस्प कंटेंट मिलें, इसके लिये शैक्षणिक क्षेत्र की निजी संस्थाओं से एमओयू किया जायेगा। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिये 13 समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिये विशेष अभियान चलाते हुए कक्षा-9 से कक्षा-12 तक के 17 हजार अतिशेष शिक्षकों का युक्ति-युक्तकरण और 20 हजार शिक्षकों की उच्च पद प्रभार से पदपूर्ति की गयी है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण कार्यों और नियुक्तियों की प्रगति की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि आईपीएचएस मानकों के अनुरूप कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर भर्ती प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि नवीन स्वीकृत पदों के साथ रिक्त पदों की पूर्ति के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित किए जाएं ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी और सुलभ बनाया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण कार्यों और चिकित्सकीय व सहायक चिकित्सकीय पदों पर नियुक्तियों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवीन जिला चिकित्सालयों में पदों की पूर्ति की स्थिति की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माणाधीन कार्यों की सतत निगरानी और समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, एमडी एमपीबीडीसी डॉ. पंकज जैन, सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी, पीआईयू और एमपीबीडीसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मेपकास्ट करेगा इजरायल के साथ जल तकनीकी पर कार्यशाला

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकॉस्ट) ने जल प्रबंधन के क्षेत्र में इजरायल की उन्नत तकनीकों को समझने और उन्हें अपनाने के उद्देश्य से इजरायली एंबेसी की वाटर अटैची सुश्री नोआ को आमंत्रित किया। बैठक में प्रदेश के जल क्षेत्र से जुड़े विभिन्न शासकीय विभागों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। बैठक में मेपकॉस्ट के जल संसाधन प्रमुख डॉ. कपिल खरे ने परिषद द्वारा रिमोट सेंसिंग और जीआईएस तकनीकों के माध्यम से पिछले तीन वर्षों में पूर्ण किए गए प्रोजेक्ट्स की जानकारी साझा की। जल संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन में इजरायल की अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग पर चर्चा हुई।

नर्मदा समग्र और मेपकॉस्ट की संयुक्त पहल से आयोजित बैठक में वाटर सेक्टर पर काम करने वाले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, आईसर भोपाल, केंद्रीय जल आयोग भूजल प्राधिकरण सहित कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ मौजूद रहे। सुश्री नोआ ने प्रदेश में इजरायली विशेषज्ञों की मदद से जल प्रबंधन की नई तकनीकों को लागू करने और भोपाल में एक विस्तृत कंसल्टेशन कार्यक्रम आयोजित करने की सहमति दी। इस अवसर पर परिाद की गतिविधियों पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण श्री तस्नीम हबीब ने किया। कार्यक्रम का समापन परिषद के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रविशंकर भारद्वाज द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इजराइल अपने उन्नत तकनीकी विकास और वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। जल प्रबंधन के क्षेत्र में इजराइल ने अद्वितीय तकनीकें विकसित की हैं, जिनका उपयोग आज दुनिया भर के देश कर रहे हैं।

शहरी गरीबों को आजीविका का साधन दिलाने के लिये 9318 स्वसहायता समूहों का गठन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में शहरी क्षेत्रों के गरीबों को आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के लिये नगरीय निकाय बैंकों के साथ मिलकर स्व-सहायता समूहों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। अब तक प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में 9318 स्व-सहायता समूहों का गठन कर 9000 से अधिक शहरी गरीब परिवारों को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया है। इसके साथ ही स्व-सहायता समूह को आर्थिक रूप से मजबूती देने के लिये 642 एरिया लेवल फेडरेशन का गठन और 34 सिटी लेवल फेडरेशन का गठन किया गया है।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 6720 स्व-सहायता समूहों को आवर्ती निधि राशि के रूप में करीब 6 करोड़ 75 लाख रूपये की राशि प्रदाय की है। स्वरोजगार कार्यक्रम अंतर्गत पूर्व से स्वीकृत व्यक्तिगण ऋण में 5723 हितग्राहियों को लगभग 77 करोड़ रूपये और समूहगत ऋण के रूप में 396 स्व-सहायता समूहों को 11 करोड़ रूपये मंजूर किये हैं। प्रदेश में शहरी क्षेत्र के 3581 स्व-सहायता समूहों का बैंक लिंकेज कर 21 करोड़ 50 लाख रूपये का ऋण बैंकों के माध्यम से वितरित किया गया है। शहरी स्व-सहायता समूहों को नगरीय विकास विभाग और अन्य केन्द्रीय योजनाएं जिनमें अमृत 2.0 में अमृत मित्र के रूप में जोड़ा गया है। स्व-सहायता समूह के सदस्य जल गुणवत्ता परीक्षण कार्य, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सेनीटेशन जैसी गतिविधियों में भी मदद कर रहे हैं। अमृत 2.0 योजना में अमृत मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत 10 नगरीय निकाय जबलपुर, भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, छतरपुर, ग्वायिर, रीवा, छिंदवाड़ा, धार और देवास में 20 स्व-सहायता समूहों को 56 लाख रूपये के कार्यादेश दिये गये हैं। दूसरे चरण में प्रदेश के 45 निकायों का चयन किया जा चुका है। इन महिला स्व-सहायता समूहों को जल गुणवत्ता परीक्षण और सार्वजनिक पार्क संचालन और संधारण की जिम्मेदारी का कार्य सौंपा गया है। स्वच्छ भारत मिशन में 166 स्वसहायता समूह सेनिटेशन और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कार्य से जुड़े हुए हैं।

प्रदेश में शहरी स्व-सहायता समूहों को केन्द्र सरकार की उद्यानिकी विभाग की योजना प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना (पीएमएफएएमई) से भी जोड़ा गया है। योजना में सीड केपिटल घटक में 126 स्व-सहायता समूह के 708 सदस्यों को एरिया लेवल फेडरेशन के माध्यम से 3 करोड़ रूपये खाद्य प्र-संस्करण संबंधी गतिविधियों के लिये दिये जा चुके हैं।

पंथी नृत्य के साथ में विशाल शोभा यात्रा निकाली

भोपाल। गुरु घासीदास जयंती पखवाड़ा बड़ी धूमधाम से जगह-जगह मनाया जा रहा है। जाटखेड़ी में गुरु घासीदास जयंती पखवाड़ा का पर्व बड़ी उत्साह पूर्वक मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भव्य रैली निकाली जिसमें महिलाएं-पुरुषों एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रही। गुरु घासीदास के जयकारा लगाते हुए यह रैली मंदिर प्रांगण में पहुंची वहां पर चौका पूजा एवं पंथी नृत्य के साथ में पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विशाल भंडारा भी संपन्न हुआ। मुख्य वशेष अतिथि कृष्णा गौर मंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं विशेष अतिथि नारायण सिंह परमार वरिस्ट सामजसेवी, प्रताप बारे वाड 53 पार्षद बारेलाल अहिरवार पूर्व प्रसाद एवं सतनामी समाज के अध्यक्षकिशन बंजारे उपस्थित रहे।

जिलेवार सर्वे कर वाहन मैकेनिक प्रशिक्षण के प्रयासों को बढ़ाए: परमार

तकनीकी शिक्षामंत्री ने क्रिस्प का भ्रमण कर, प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया

अपनी मातृभूमि के साथ परिवार एवं स्वजनों के प्रति कृतज्ञता का भाव हमेशा बनाए रखें। यह प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। विद्यार्थी, राष्ट्र की धरोहर है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने क्रिस्प में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु विद्यार्थियों से कही। मंत्री श्री परमार ने मंगलवार को भोपाल स्थित क्रिस्प का भ्रमण कर, संस्थान के विभिन्न विभागों एवं प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। श्री परमार ने मल्टीमीडिया लैब, वी.एल.एस.आई, सिस्को लैब, पी.एल.सी लैब, हैंडीक्रॉफ्ट एवं बिहेवियर साइंस सहित विभिन्न तकनीकी लैब्स का अवलोकन कर, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की।

मंत्री परमार ने क्रिस्प के प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया, उनके अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्री परमार ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु विद्यार्थियों से संस्थागत प्रबंधन एवं भोजन आदि की जानकारी ली। श्री परमार ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि रोजगार के अवसर प्राप्त करने के बाद भी, नैतिक दायित्व निर्वाहन को अपनी जीवनशैली में आत्मसात् करें। श्री परमार ने कहा कि मनुष्य वही हैं, जिसके भीतर संस्कार समाहित हों।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने बिल्डिंग ऑटोमेशन स्पेशलिस्ट के प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी भी प्राप्त की, जिसमें भारतीय जलसेना, थलसेना और वायुसेना के जवानों को 3 महीने का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने इस प्रशिक्षण को कौशल विकास और रोजगार के लिए एक अहम कदम बताया और क्रिस्प द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि क्रिस्प संस्थान सैनिकों और युवा वर्ग को तकनीकी कौशल और प्रैक्टिकल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही, उन्होंने क्रिस्प के कौशल विकास कार्यक्रमों को राज्य शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। क्रिस्प के प्रशिक्षण मॉडल को विश्वविद्यालय की कार्य योजना में शामिल करने और विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल प्रशिक्षण के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करने की बात कही। श्री परमार ने संस्थान की लाइब्रेरी को, भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़े साहित्य से समृद्ध करने को भी कहा। विद्यार्थियों को विषय में निपुण बनाने के साथ साथ, संवेदनशील नागरिक बनाना ध्येय होना चाहिए। मंत्री श्री परमार ने क्रिस्प के कौशल विकास कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के बारे में विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कौशल विकास प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। जिलेवार सर्वे (अध्ययन) करके दो और चार पहिया वाहन मैकेनिक के प्रशिक्षण के लिए भी क्रिस्प के प्रयासों को बढ़ाने को कहा। पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग की फैकल्टी के लिए व्यापक कार्ययोजना के साथ, टीचर्स ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग के फैकल्टी के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा, जिससे शिक्षकों को भी नवीनतम तकनीकी और प्रैक्टिकल प्रशिक्षण मिल सके। पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए, ग्रीष्मकालीन रोजगार मार्गदर्शन शिविर आयोजित करने को कहा।

मंत्री श्री परमार पूर्व प्रशिक्षणार्थियों का सम्मेलन (एलुमनाई मीट) आयोजित करने के निर्देश भी दिए जिससे पिछले प्रशिक्षणार्थियों के अनुभवों से और सीखने को मिले। श्री परमार ने पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अंतिम सेमेस्टर में, क्रिस्प में प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिलाने एवं उनके मूल्यांकन के लिए क्रेडिट ट्रांसफर सिस्टम के साथ व्यापक कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए। क्रिस्प के प्रबंध संचालक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने क्रिस्प के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की और पिछले 27 वर्षों में क्रिस्प द्वारा शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास के क्षेत्र में किए गए।

स म्पा द की य

भारत रत्न अटल जी

राजनीति में आना मेरी सबसे बड़ी भूल है। इच्छा थी कि कुछ पठन-पाठन करूंगा। अध्ययन और अध्यापन की पारिवारिक परंपरा को आगे बढ़ाऊंगा। अतीत से कुछ लूंगा और भविष्य को कुछ दे जाऊंगा। किंतु राजनीति की रपटीली राह में कमाना तो दूर रहा, गांठ की पूंजी भी गंवा बैठा। मन की शांति मर गई। संतोष समाप्त हो गया।

ये उस महान व्यक्तित्व का कथन है, जिसने भारतीय राजनीति में अपना विशेष स्थान बनाया और जिसे भारत रत्न से अलंकृत किया गया। देश के तीन बार प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी का आज सौवां जन्म दिवस सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उनका जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में एक शिक्षक के घर में हुआ था। बचपन से नटखट स्वभाव के अटल बिहारी देश की गंभीर राजनीति के माइल स्टोन कैसे बन गए, यह प्रेरणादायक कहानी है।

अटल बिहारी वाजपेयी अपनी वक्तृत्व कला के लिए प्रसिद्ध थे। वे जब भी किसी जनसभा में शामिल होते थे, भाषण से पहले और बाद में काली मिर्च और मिश्री का सेवन करते थे। खासतौर पर उनके लिए मथुरा से मिश्री मंगवाई जाती थी। उनका भाषण सुनने के लिए आम लोग तो पहुंचते ही थे, हर दल के नेता भी सुना करते और तारीफ किए बिना नहीं रहते।

अटल बिहारी वाजपेयी एक आदर्श राजनेता थे। वे पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्होंने 26 राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सरकार बनाई। वे तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने। उनके जीवन के प्रारंभिक दिनों में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हुए। हालांकि, उनकी बहन अक्सर उनकी खाकी पैंट फेंक देती थीं क्योंकि उनके पिता सरकारी कर्मचारी थे और परिवार चाहता था कि वे राजनीति से दूर रहें।

पूर्व प्रधानमंत्री का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में हुआ। एक शिक्षक के घर में जन्मे अटलजी के बचपन से लेकर जवानी के किस्से आज भी ग्वालियर की गलियों में चर्चा का विषय होते हैं। पिता पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी उत्तर प्रदेश के बटेश्वर से मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में शिक्षक की नौकरी करने आए थे। मां कृष्णा अटल को विशेष लाड़ करती थीं। अटल बिहारी वाजपेयी की संजीदगी को देखकर ये अंदाजा लगाना मुश्किल है कि उनका बचपन बेहद नटखट और शरारतों से भरा हुआ था। अटल जी का बचपन 'कंचे' खेलते हुए बीता है। उनको बचपन से जानने वाले बताते हैं कि अटल जी कमल सिंह के बाग की गलियों में खेलते हुए बड़े हुए थे। खेलों में उन्हें सबसे ज्यादा कंचे खेलना पसंद था।

बचपन से ही कवि सम्मेलन में जाकर कविताएं सुनना और नेताओं के भाषण सुनना और जब मौका मिला तो ग्वालियर के व्यापार मेले में जाकर मौज-मस्ती करना उनका स्वभाव था। अटल बिहारी वाजपेयी आईने के सामने खड़े होकर कविता बोलते थे। बचपन से अपनी स्पीच की रिहर्सल करना उनकी आदत थी। ग्वालियर का विक्टोरिया कॉलेज अब महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में तब्दील हो चुका है, अटल बिहारी वाजपेयी ने इस कॉलेज से बीए किया। वह भी हिंदी, अंग्रेज़ी और संस्कृत में डिस्टिंक्शन के साथ। इस कॉलेज की वाद-विवाद प्रतियोगिता के अटल बिहारी वाजपेयी हीरो हुआ करते थे। विक्टोरिया कॉलेज का यही हीरो आगे चलकर हिंदुस्तान का हीरो बना।

बात 2004 की है, तब अटल जी प्रधानमंत्री थे। वे अपना जन्मदिन मनाने ग्वालियर आए थे। उस समय अटल जी से वीआईपी सर्किट हाउस में एक मंगौड़े बेचने वाली महिला रामदेवी चौहान मिलने पहुंचीं। उन्होंने कहा कि आप मंगौड़े खाने मेरी दुकान (टपरी) पर आते थे। वाजपेयी ने पूछा-अम्मा तू अभी जिंदा है। तभी अम्मा ने मंगौड़े की थैली आगे बढ़ाते हुए सहज अंदाज में कहा कि अब तो आप देश के मुखिया हो, मुझे एक गुमटी तो दिलवा दो। यह बात और है कि उस अम्मा को जीते जी गुमटी नहीं मिल पाई और आज उसका बेटा ठेले पर ही मंगोड़े बनाकर बेचता है, लेकिन अटल जी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री से उसकी सिफारिश अवश्य की थी।

गौर करते हैं अटल जी के चुनिंदा उन वाक्यों पर, जो आज भी प्रेरणा देते हैं और अटलजी के विशेष व्यक्तित्व को प्रमाणित करते हैं-

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता , टूटे मने से कोई खड़ा नहीं हो सकता।

जीवन को टुकड़ों में नहीं बांटा जा सकता, उसका पूर्णता में ही विचार किया जाना चाहिए।

व्यक्ति को सशक्त बनाने का मतलब है राष्ट्र को सशक्त बनाना। और सशक्तीकरण सबसे अच्छी तरह से तीव्र आर्थिक विकास के साथ तीव्र सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से किया जाता है।

हम युद्धों में अपने बहुमूल्य संसाधनों को अनावश्यक रूप से बर्बाद कर रहे हैं, हमें बेरोजगारी, बीमारी, गरीबी और पिछड़ेपन पर ऐसा करना होगा।

संघर्ष से भागो मत, क्योंकि संघर्ष से ही जीवन की मिठास आती है।

कभी भी अपनी गलतियों को छुपाने की कोशिश मत करो, इससे आप खुद को और दूसरों को धोखा देंगे।

आप दोस्तों को बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसियों को नहीं।

देशभक्ति का मतलब सिर्फ प्रेम नहीं, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी भी है।

हमारा लक्ष्य अनंत आकाश जितना ऊंचा हो सकता है, लेकिन हमें अपने मन में हाथ से हाथ मिलाकर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि जीत हमारी ही होगी।

आप शांति को स्वतंत्रता से अलग नहीं कर सकते क्योंकि कोई भी व्यक्ति तब तक शांति में नहीं रह सकता जब तक उसे अपनी स्वतंत्रता न मिले।

मेरा कवि हृदय मुझे राजनीतिक समस्याओं का सामना करने की शक्ति देता है, खासकर उन समस्याओं का जो मेरे विवेक पर असर डालती हैं।

जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, जिन्हें समभाव से देखा जाना चाहिए।

भ्रष्टाचार के बारे में कोई समझौता नहीं हो सकता।

अपना देश एक मन्दिर है, हम पुजारी हैं, राष्ट्रदेव की पूजा में हमने अपने आपको को समर्पित कर देना चाहिए।

ऊँची से ऊँची शिक्षा क्यों न हो, इसका आधार हमारी मातृभाषा होनी चाहिए।

जलना होगा, गलना होगा और हमें कदम मिलाकर एक साथ चलना होगा।

इंसान बनो। केवल नाम से नहीं, रूप से नहीं, शक्ल से नहीं। हृदय से, बुद्धि से, संस्कार से, ज्ञान से।

मन हारकर मैदान नहीं जीते जाते, न मैदान जीतने से मन जीते जाते हैं।

अटल जी के नदी जोड़ो स्वप्न से मिली जनगण को सौगात

डॉ. मोहन यादव

उजियारे में,
अंधकार में,
कल-कछार में,
बीच धार में,
क्षणिक जीत में
दीर्घ हार में,
जीवन के शत-शत आकर्षक,
अरमानों को ढलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।।

कदम मिलाकर चलने का उद्घोष करने वाले भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की आज 100वीं जयंती है। भारत निर्माण के दृष्टा श्रद्धेय श्री अटल जी को शत-शत नमन।

श्रद्धेय अटल जी ने संघ के स्वयंसेवक से लेकर राष्ट्रधर्म के संपादक, जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के दायित्वों के बीच कार्यकर्ताओं की पीढ़ियां निर्मित कीं। व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण, राष्ट्र निर्माण की उनकी परिकल्पना के सभी पक्षों ने देश को आधार प्रदान किया।

धरती को सुजलाम् सुफलाम् करने और समृद्धि के नये आयाम स्थापित करने के लिये श्रद्धेय अटल जी ने लगभग 20 वर्ष पूर्व नदी जोड़ो अभियान की संकल्पना की थी। उन्होंने देशभर की नदियों को जोड़कर बिखरी पड़ी जलराशि के समुचित प्रबंधन का सपना देखा था।उनका सपना था, देशभर की नदियां आपस में जुड़ें और जल की एक-एक बूंद का उपयोग समाज और राष्ट्र के लिये हो। श्रद्धेय अटल जी 100वीं जयंती पर आज मध्यप्रदेश में केन-बेतवा से विश्व की पहली नदी जोड़ो परियोजना द्वारा जल सुरक्षा का स्थायी समाधान करने की दिशा में महती कदम उठाया जा रहा है।

मुझे यह बताते हुये प्रसन्नता है कि आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री और वर्तमान पीढ़ी के भागीरथ श्री नरेन्द्र मोदी जी खजुराहो में देश की पहली, महत्वाकांक्षी केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इसी के साथ श्रद्धेय अटल जी का नदियों को आपस में जोड़ने का संकल्प और समृद्धि का सपना मूर्तरूप लेगा।मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, सैकड़ों नदियों की विपुल जलराशि से समृद्ध है। प्रदेश की नदियों के आशीर्वाद से यह बहुउद्देशीय परियोजना बुंदेलखंड की जीवन रेखा साबित होगी।

यह परियोजना छतरपुर और पन्ना जिले में केन नदी पर विकसित की जा रही है। इसमें पन्ना टाइगर रिजर्व में केन नदी पर 77 मीटर ऊंचाई एवं 2.13 किलोमीटर लंबाई के दौधन बांध एवं 2 टनल का निर्माण होगा। बांध में 2 हजार 853 मिलियन घन मीटर जल का भंडारण किया जायेगा। इसमें दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से मध्यप्रदेश के 10 जिले पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, छतरपुर, निवाड़ी, सागर, रायसेन, विदिशा, शिवपुरी और दतिया के लगभग 2 हजार ग्रामों में 8.11 लाख हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी और लगभग 7 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश की 44 लाख और उत्तर प्रदेश की 21 लाख आबादी को

पेयजल की सुविधा मिलेगी और 103 मेगावॉट जल विद्युत एवं 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। इसका लाभ संपूर्ण मध्यप्रदेश को मिलेगा।

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से बुंदेलखंड के हर खेत तक सिंचाई के लिये पानी पहुंचेगा। प्रदेश में बिजली, कृषि, उद्योग और पेयजल के लिये भरपूर पानी उपलब्ध होगा। खेत को पानी मिलने से फसलों का अमृत बरसेगा। किसानों के जीवन में खुशहाली आयेगी और बुंदेलखंड की तस्वीर तथा तकदीर बदलेगी। इस परियोजना से खेती-किसानी, उद्योग, व्यवसाय और पर्यटन को गति मिलेगी जिससे पलायन रुकेगा और नागरिकों का जीवन खुशहाल होगा। जलराशि की विपुलता के साथ बाढ़ तथा सूखा, दोनों समस्याओं का समाधान होगा।

हमारा संकल्प है विरासत के साथ विकास। इसी लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुएपरियोजना में ऐतिहासिक चंदेलकालीन 42 तालाबों को सहेजने का कार्य किया जायेगा।यह तालाब वर्षाकाल में जल से भर जायेंगे। इससे धरती का जल स्तर बढ़ेगा जिसका लाभ लोगों को मिलेगा।

मध्यप्रदेश कृषि बाहुल्य प्रदेश है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 50 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर एक करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का हमारा लक्ष्य है। मुझे विश्वास है कि केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से हम इस लक्ष्य को पूर्ण करने में सफल होंगे और बुंदेलखंड की प्रगति के नये द्वार खुलेंगे। इसी विश्वास के साथ मैंने बुंदेलखंड के किसानों से यह आग्रह किया था कि यहां के सूखे का तोड़ निकल जायेगा, किसी भी हाल में अपनी जमीन मत बेचना। मुझे खुशी है कि मेरा वह विश्वास सही साबित हुआ।

यह हमारे लिये प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश, इस समय जनकल्याण पर्व मना रहा है। अटल जी के 100वीं जयंती पर त्रिपक्षीय अनुबंध से केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की सौगात प्रदेशवासियों को मिलना अद्भुत संयोग है। मुझे बताते हुए हर्ष है कि कुछ दिनों पूर्व हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना की सौगात दी थी। इस परियोजना में 21 बांध, बैराज निर्मित किये जाएंगे। परियोजना से प्रदेश के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा।

एक साथ प्रदेश में दो नदी जोड़ो परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाना ऐतिहासिक अवसर है। यह हमारे लिये गर्व की बात है कि इतिहास में बुंदेलखंड शौर्य, पराक्रम, वीरता और बलिदान का प्रतीक है। वीरों की भूमि बुंदेलखंड अब नदी परियोजना से विकास की भूमि के रूप में जानी जायेगी।

मुझे बताते हुये आनंद है कि आज ही के दिन प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और ग्रीन ऊर्जा के प्रति किये गये प्रयास धरातल पर उतरने वाले हैं। पुण्य सलिला मां नर्मदा पर विकसित ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकार्पण करेंगे। परियोजना के प्रथम चरण में इस वर्ष अक्टूबर माह से पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो गया है।

लोकतंत्र की प्रथम इकाई, ग्राम पंचायत से आरंभ होती है। अटल जी ने गांव को सुशासित और सशक्त बनाने का अभियान चलाया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने, श्रद्धेय अटलजी के स्वप्न को साकार करने के लिये गांव को आत्मनिर्भर, स्वच्छ, समृद्ध और सुशासित बनाने का संकल्प लिया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत का अपना भवन हो, इसके लिये प्रधानमंत्री आज मध्यप्रदेश में 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन करेंगे।

श्रद्धेय अटल जी की 100वीं जन्म जयंती पर आज शुरू होने वाली ऐतिहासिक परियोजनाओं और कार्यों से प्रगति के नये द्वार खुलेंगे। बुंदेलखंड जलशक्ति से संपन्न हो जायेगा और किसान समृद्ध होंगे। इससे समूचे क्षेत्र में खुशहाली आयेगी और युवाओं को नौकरी के लिये पलायन नहीं करना पड़ेगा।

सौभाग्य से यह सब संभव हुआ है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और डबल इंजन की सरकार से। हमारी सरकार ने पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगों को छोटे शहरों तक पहुंचाने का नवाचार किया है। यह कार्य और आगे बढ़ेगा।मध्यप्रदेश प्रगति और उन्नति का नया इतिहास रच कर अग्रणी राज्य के रूप में आकार लेगा।

राष्ट्र दृष्टा श्रद्धेय अटल जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से देश को जहां अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाया, वहीं भविष्य के लिये नदी जोड़ो परियोजनाओं की संकल्पना से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। उसी पर चलकर मध्यप्रदेश समृद्धि, विकास, निर्माण और खुशहाली का नया अध्याय रचेगा।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, श्रद्धेय अटल जी के संकल्प को पूरा करने खजुराहो आ रहे हैं। मेरा प्रदेशवासियों से आग्रह है कि आप भी हरी-भरी वसुंधरा के लिये होने वाले इस अनुष्ठान में शामिल होकर ऐतिहासिक पल के साक्षी बनें।

श्रद्धेय अटल जी के जन्म के 100वें वर्ष में देश में पहली बार मध्यप्रदेश में दो नदी जोड़ो परियोजनाओं को साकार करने की पहल पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी को संपूर्ण राष्ट्र की आदरांजलि है।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

भागीरथ, भोज, छत्रसाल की अटल विरासत के संवाहक मोदी

विष्णुदत्त शर्मा

मध्यप्रदेश की पुण्यभूमि, जो अपनी सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक गौरव के लिए प्रसिद्ध है, अब एक और ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने जा रही है। 25 दिसंबर 2024 को मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के खजुराहो में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यानस यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के कर-कमलों से होगा। यह क्षण न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे भारत के लिए विकास, जल संरक्षण एवं जल समृद्धि की दिशा में एक नया अध्याय लिखने वाला होगा, साथ ही यह भारत की जल क्रांति की नई गाथा लिखने का भी प्रतीक बनेगा। शुभ योग यह है कि परियोजना का भूमिपूजन आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती के दिन हो रहा है, जिन्होंने भारत के विकास के लिए अनेक सपने देखे थे, उनमें नदियों को जोड़ना विशेष रूप से शामिल था। उन्होंने इस दिशा में प्रारंभिक कदम भी उठाए थे। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी अब स्वप्न दृष्टा वाजपेयी जी के सपने साकार करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। यह परियोजना प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता, मध्यप्रदेश के प्रति उनके विशेष स्नेह और अटलजी के विचारों के प्रति समर्पण का एक और प्रमाण है, जो मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी।

प्राचीन भारतीय पौराणिक कथाओं में गंगा की धरा पर उपस्थिति का श्रेय राजा भागीरथ को दिया जाता है। राजा भागीरथ के तप और साधना से गंगा धरती पर अवतरित हुईं, जिसकी उपस्थिति से भारत का भू-भाग समृद्ध हुआ, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी आधुनिक भागीरथ हैं। मोदीजी ने भी जल संकट से जूझते भारत के लिए एक नई जल क्रांति की शुरुआत की है। जल संसाधनों को भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा बनाया है। उनके नेतृत्व में जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य और विकास का आधार बन गया है। गुजरात में जब वे मुख्यमंत्री थे, तब उनकी जल नीतियों ने सूखे और जल संकट से जूझते गुजरात को जलसमृद्धि का अनूठा उदाहरण बनाया। गुजरात, जो कभी सूखे और जल संकट का प्रतीक था, आज नर्मदा नदी के जल से आच्छादित है। उनकी दूरदृष्टि और अदम्य साहस ने नर्मदा नदी के जल को सही दिशा में मोड़ते हुए गुजरात की प्यास बुझाई, कृषि क्षेत्र को समृद्ध किया और नर्मदा के जल से साबरमती नदी को भी नया जीवन दिया। यह उनकी नीतियों और इच्छाशक्ति का ही परिणाम है कि गुजरात में जल के अभाव का स्थान जल के सदुपयोग और समृद्धि ने ले लिया। गुजरात में उनका काम जल संकट से जूझ रहे राज्यों के लिए आदर्श बन चुका है।

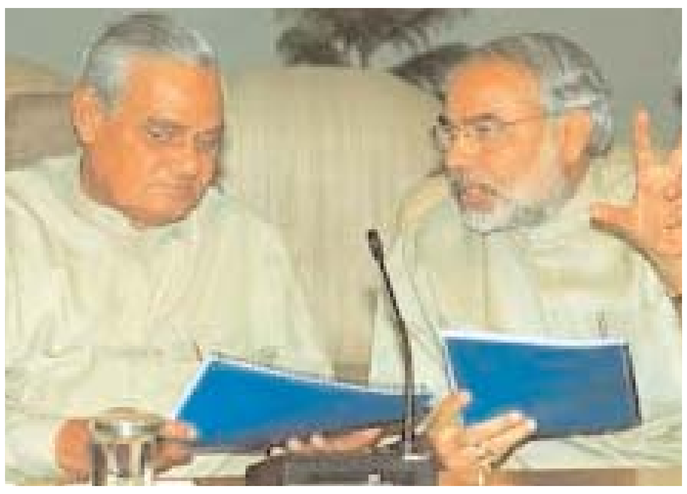

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जल संरक्षण को केवल एक सरकारी नीति तक ही सीमित नहीं रखा। उन्होंने इसे राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाया। उनके अनुसार, जल का प्रबंधन एक पुण्य कर्म है, जिसमें वर्तमान की जरूरतें और भविष्य की पीढ़ियों का उत्तरदायित्व दोनों निहित हैं। उनका यह कथन इस सोच को सार्थक रूप देता है कि जल का सवाल केवल संसाधनों का नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व का है। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को आधुनिक राजाभोज कहना न्याय संगत है। राजा भोज ने जल संरक्षण के लिए ऐसी संरचनाएं बनाईं, जो सदियों बाद भी जल प्रबंधन की उत्कृष्ट मिसाल बनी हुई हैं। भोपाल का ऐतिहासिक बड़ा तालाब राजा भोज की जल संरक्षण क्षमता का अद्भुत उदाहरण है,जो सदियों बीत जाने के बाद भी लाखों लोगों की प्यास बुझा रहा है। दो नदियों के संगम से बनाए गए इस तालाब ने यह सिद्ध कर दिया हैकि जल संरक्षण केवल उस समय की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि उसे पीढ़ियों के लिए उपहार के रूप में संरक्षित किया जाता है।

प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी का दृष्टिकोण भी ऐसा ही है। मोदी जी भी जल संरचनाओं के जनक राजाभोज की परंपरा को आधुनिकता के साथ मानवता के अस्तित्व के लिए आगे बढ़ा रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का मानना है कि जल का संरक्षण केवल वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा है-जल संचय केवल एक प्रयास नहीं, यह एक पुण्य है। इसमें उदारता और उत्तरदायित्व दोनों निहित हैं। आने वाली पीढ़ियां जब हमारा आकलन करेंगी, तो यह केवल हमारी आर्थिक उपलब्धियों या भौतिक विकास पर आधारित नहीं होगा। उनका पहला प्रश्न यही होगा कि हमने जल के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाया। जल का संरक्षण, प्रबंधन और इसके प्रति हमारी प्रतिबद्धता ही भविष्य में हमारी पहचान बनेगी। यह विचार न केवल जल संरक्षण के महत्व को दर्शाता है इसीलिये उनकी जलनीतियां दीर्घकालिक हैं, जो न केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान करती हैं, बल्कि भविष्य के लिए भी टिकाऊ मार्ग प्रस्तुत करती हैं। माननीय श्री मोदी जी के नेतृत्व में शुरू हुए जल शक्ति अभियान और हर घर जल卐 और कैच द रैन जैसे अभियानों ने करोड़ों भारतीयों के जीवन कोपरिवर्तित कर दिया है। उनकी योजनाएं यह सिद्ध करती हैं कि जल प्रबंधन में उनका दृष्टिकोण कितना प्रभावशाली और स्थायी है।

मध्यप्रदेश के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विशेष लगाव समय-समय पर उनकी योजनाओं और निर्णयों से स्पष्ट होता है। उन्होंने हमेशा मध्यप्रदेश को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। उनके प्रयासों से राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अब केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना मध्यप्रदेश के विकास में नई ईबारत लिखने जा रही है। केन-बेतवा लिंक परियोजना, जिस भूमि पर बन रही है, वह शौर्य, सम्मान और जनकल्याण के प्रतीक बुंदेलखंड की भूमि है, बुंदेलखंड की पवित्र भूमि ने ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोकहित को सर्वोपरि रखा। राजा छत्रसाल ने अपनी नीतियों और नेतृत्व से बुंदेलखंड के लोगों के कल्याण के लिए जो काम किए, उनकी गूंज आज भी सुनाई देती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का नेतृत्व भी राजा छत्रसाल के दृष्टिकोण का आधुनिक संस्करण है। उनकी योजनाएं और प्रयास बुंदेलखंड को जल संकट से उबारने और यहां की सूखी धरती को फिर से हराभरा बनाने के लिए समर्पित हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प का फल है कि 44,605 हजार करोड़ रूपये की केन-बेतवा लिंक जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजना आज जमीन पर उतर रही है और इसने खजुराहो लोकसभा ही नहीं बल्कि सारे बुंदेलखंड की विभीषिका को समाप्त करने के मार्ग प्रशस्त कर दिये हैं। मध्यप्रदेश की 44 लाख एवं उत्तर प्रदेश की 21 लाख जनता को इससे पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी एवं दोनों राज्यों की 65 लाख जनता को सीधे तौर पर इसका फायदा होगा । केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, सागर और दतिया के साथ-साथ शिवपुरी, विदिशा और रायसेन सहित उत्तवर प्रदेश के महोबा, झांसी, बांदा और ललितपुर को भी मिलेगा। इस कार्य के पूरा हो जाने से जहां 8 लाख 11 हज़ार हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी वहीं 62 लाख लोगों को पीने का पानी मिलेगा। बुंदेलखंड में आने वाले उत्तर प्रदेश के 2 लाख 52 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और पेय जल की सुविधा भी इससे मिल सकेगी। यही नहीं 103 मेगा वाट पनबिजली और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा भी पैदा की जा सकेगी। परियोजना में ऐतिहासिक चंदेल कालीन तालाबों को सहेजने का कार्य भी होगा। इन तालाबों से भूजलस्तर बढ़ेगा और ग्रामीण क्षेत्र को फायदा तो होगा। कुल मिलाकर यह परियोजना भारत के जल संकट में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक दृष्टा हैं। वे राजा भागीरथ, राजाभोज और छत्रसाल जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी जल नीति केवल भारत की जल समस्याओं का समाधान ही नहीं पूरे विश्व के लिए एक मिसाल बनते हुए उन्हें जलपुरुष के रूप में स्थापित करती है। उनका प्रयास हमें यह विश्वास दिलाता है कि भारत न केवल अपने जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन करेगा, बल्कि जल समृद्धि के क्षेत्र में विश्व का पथप्रदर्शक भी बनेगा। मध्यप्रदेश की पवित्र भूमि से जल संरक्षण और जल समृद्धि का यह संदेश जब पूरे देश में गूंजेगा, तो यह केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि जल और जीवन की नई गाथा का आरंभ होगा।

25 दिसंबर के दिन इस योजना का भूमिपूजन न केवल श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि जल संकट से जूझते देश के लिए एक नई उम्मीद भी है।

बुंदेलखंड के निवासियों से देश के मुखिया का यह आह्वान है कि वे इस परियोजना को एक महायज्ञ के रूप में देखें और इसके लाभों को आत्मसात करें। यह परियोजना केवल जल संकट का समाधान नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के विकास, समृद्धि और खुशहाली का द्वार खोलने वाली है। यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वे जल संरक्षण के महत्व को समझें और इस परियोजना के उद्देश्यों को साकार करने में अपना योगदान दें।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वास्तव में एक नई जल क्रांति की ओर बढ़ रहा है। मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी मेरे संसदीय क्षेत्र में इस परियोजना का भूमिपूजन करने आ रहे हैं, पूरे संसदीय क्षेत्र और मप्र की जनता की ओर से माननीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से स्वागत है, वंदन है, अभिनंदन है और आभार है इस महापरियोजना से बुंदेलखंड की भूमि को वरदान देने के लिए, आनंदित करने के लिए...।

(लेखक- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद हैं।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

आबकारी वृत्त ओबेदुल्लागंज एवं रायसेन की अवैध शराब के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। कलेक्टर अरविंद कुमार दुबे के निर्देशन मैं वंदना पाण्डेय सहायक आयुक्त आबकारी के आदेश से कंट्रोलर सुदीप तोमर सहायक जिला आबकारी अधिकारी सरिता चंदेल के नेतृत्व मे आबकारी वृत्त ओबेदुल्लागंज, रायसेन की संयुक्त टीम का गठन किया गया जिसके द्वारा करहोदा नांद,चोरमऊ, पारखेड़ी, तिलेंडी, उमरावगंज, सतकुंडा, गोपीसुर, ग्रामो मैं दबिश दी गयी जिसमे 12 प्रकरण दर्ज हुए 6 लोगो को मोके पर गिरफ्तार किया गया कार्यवाही मे 280 लीटर अवैध हाथभट्टी शराब 68 पाव प्लेन मदिरा, जब्त की गई एवं लगभग 1800 द्मद्द महुआ लहान सैंपल लेकर मौके पर नष्ट किया गया जिसका मूल्य 238487 रुपये है लगातार हो रही कार्यवाही से शराब माफियाओ मैं हड़कंप है पूर्व मे भी आबकारी विभाग की कार्यवाही मैं सेहतगंज गोपीसुर सतकुंडा ,तामोट, सररई, सिन्धी केम्प, अर्जुन नगर जैसे कच्ची शराब के अड्डों पर बड़ी कार्यवाही की गई थी जिसमे अवैध शराब महुआ लहान जब्त किया गया था इस प्रकार की बड़ी कार्यवाही से अवैध शराब के निर्माण विक्रय संग्रहण एवं परिवहन पर विभाग का कठोर नियंत्रण है सहायक आयुक्त आबकारी वंदना पाण्डेय द्वारा बताया गया कि जिले मे आबकारी उड़नदस्ता टीमो का गठन किया गया है जो प्रतिदिन अवैध मदिरा के विरुद्ध ऐसी कार्यवाही कर रहे है और आगे भी ऐसी कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी

ज्ञान-विज्ञान का अनूठा संगम लाला रामस्वरूप जीडी एंड संस

जबलपुर । संस्कार, शिक्षा सहित जीवन के महत्वपूर्ण पलों को शुभ फलदायी बनाते सटीक शुभमुहूर्त, तिथियों व नक्षत्रों की सटीक गणना। भविष्य का आईना दिखाते राशिफल। कुंडली मिलान, ग्रह नक्षत्र की दशा यानी पंचाग की बारीक से बारीक खूबी को समेटे लाला रामस्वरूप जी. डी. एंड संस पंचाग वर्ष 2025 में और भी खूबियॉ लेकरआया है। इसमें आयकर विवरणी से जुडी अनेक जानकारी के साथ ही राशिफल के अनुसार पूरी दुनिया पर पडने वाले प्रभावों की जानकारी एवं सटीक भविष्यवाणी जो सही सिद्ध हुई पंचांग में समाहित की गई है।अपनी इन्हीं खूबियों के चलते जबलपुर से प्रकाशित लाला रामस्वरूप जी. डी. एंड संस पंचांग हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों मे भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बना हुआ है । पंचांग में शासकीय ऐच्छिक अवकाश की एक-एक जानकारी दी गई है ।जिसकी मदद से आप पहले से ही परिवार सहित छुट्टियाँ प्लान कर सकते हैं । विषय विशेषज्ञों, भविष्यवक्ताओं की निगरानी मे तैयार किया गया यह पंचांग उपभोक्ताओं की विश्ववसनियता पर लगातार खरा उतरा है । लाला रामस्वरूप जी. डी. एंड संस के अग्रवाल बंधुओं ने पंचांग के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025 के लिए यह पंचांग नये कलेवर और आकर्षक प्रिटिंग के साथ बाजार मे आ चुका है । धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक - रीति रिवाजों में यह पंचांग परिवार का सदस्य बन कर सामने आया है भारत व्रत और त्यौहारों का देश है किसी भी व्रत त्यौहार को मनाने मे ऋषि मुनियों के दिशा निर्देश और शास्त्रीय निर्णय का पालन करने पर विशेष रूप से पुण्य लाभ और सफलता मिलती है इसी को ध्यान मे रखते हुए पंचांग में व्रत, पर्व सूक्ष्म रूप से बिलकुल सही रूप में प्रस्तुत किए गए है ।

राष्ट्र निर्माण करता और कर्तव्यनिष्ठ ही महान शिक्षकों का सम्मान करती है : यादव

सिरोंज। सोमवार को जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव महान शिक्षकों का सम्मान करने के लिए आतुर दिखाई दिए जो शिक्षक अपनी कर्त्तव्यपरायणता के चलते इतनी जल्दी शाला भवन खोल रहे हैं। पहले तो उन सभी शिक्षकों के पैर छुए और फिर उन्हें माला पहनाकर मिठाई खिलाई। सभी गांवों में शिक्षकों के जल्दी शाला खुलने कि चर्चा जोरों पर है शिक्षकों प्रति गांव में इनका सम्मान है। शिक्षक शाला प्रभारी प्रहलाद सिंह, राजेंद्र राय , कुलदीप सिंह , श्रीमती पूजा , विजय सिंह, , चन्द्र मोहन को भी सम्मानित किया गया है। साथ ही कलेक्टर रोशन सिंह के कदम की जमकर सराहना करते हुए कि आप कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है।

ईरानी डेरे में खूनी संघर्ष ,एक की मौत , पांच घायल

इटारसी। पिपरिया से इटारसी आएं ईरानीयों का आपसी खूनी संघर्ष हो गया , जिसमें एक व्यक्ति की मौत और पांच लोग घायल हो गए। यह घटना बीती रात की है जहां इटारसी और पिपरिया के ईरानियों के बीच हुई लड़ाई के दौरान हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ईरानी डेरा निवासी मासूम ईरानी की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में लगी है। बताया जाता है कि बीती रात 3 से 4 बजे के बीच हुई, घटना की जानकारी मिलते ही टीआई गौरव बुंदेला ने तत्काल थाने से पुलिस बल ईरानी डेरे पर पहुँचाया और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। हमला करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी करने के लिए टीआई बुंदेला ने एक टीम तैयार की है। घायलों में महिलाएं भी शामिल हैं। उन्हें इटारसी के सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा उपचार दिया जा रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और घटना की विस्तार से जांच कर रही है।

गोटेगांव में 2 दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर में सवा 11 हजार लोगों का हुआ स्वास्थ परीक्षण

247 मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवा हेतु ले जाया गया भोपाल , पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के नेतृत्व में पीपुल्स हॉस्पिटल भानपुर की टीम ने दी सेवाएं

नरसिंहपुर। गोटेगांव के पारस गार्डन परिसर में सेवा सप्ताह के अवसर पर मणिनागेंद्र फाउंडेशन के सौजन्य से और माननीय श्री जालम सिंह पटेल (पूर्व राज्यमंत्री, विधायक नरसिंहपुर) एवं पीपुल्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रोहित पंडित के नेतृत्व में 23 और 24 दिसंबर को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया शिविर में भोपाल से आए 50 विशेषज्ञ डॉक्टरों और लगभग 180 पैरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं। दो दिनों में कुल 11,349 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में आए मरीजों के स्वस्थ लाभ हेतु 1,879 ईसीजी,705 सोनोग्राफी,2,889 आर.बी.एस,1,361 डिजिटल एक्स-रे,9,111 खून की जांच की गई यह जांच और सेवाएं दे कर निशुल्क दवा वितरण किया गया इसके साथ ही गंभीर मरीजों की मदद के लिए शिविर में 247 गंभीर मरीजों को चिन्हित किया गया,जिन्हें आगे के इलाज के लिए निशुल्क भोपाल भेजा जाएगा एवं इलाज के उपरांत वापस नरसिंहपुर लाया जाएगा।

इस शिविर में पीपुल्स यूनिवर्सिटी के कार्यकारी निदेशक श्री अंकित द्विवेदी, पीपुल्स हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. ए.एन. महस्के, डॉ. साजी थॉमस, डॉ. आशीष कलरैया, डॉ. रवि मेहरोत्रा, डॉ. गौतम चटर्जी, डॉ. अशरफ मालिक, डॉ. वेदांत अवस्थी, डॉ. शुभम जायसवाल, डॉ. अमित सिंह, डॉ. कंचन सिंह, डॉ. अंकुर चौरसिया, और डॉ. मनु कटारे जैसे वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित थे।

शिविर में दवाइयों का निशुल्क वितरण किया गया

इस सफल आयोजन ने क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की और जनसहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया इस अवसर पर मणिनागेंद्र फाउंडेशन के सचिव इजीनियर सरदार सिंह पटेल ने कहा कि, ÷मोनू भैया के समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाना ही फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य है। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज के हर वर्ग को सहायता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है।÷

उन्होंने कहा कि इस शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों तक निशुल्क चिकित्सा सेवाएं पहुंचाकर फाउंडेशन ने अपने उद्देश्यों की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है

लोकायुक्त द्वारा की गई कार्यवाही को नस्तीबद्ध करने हेतु ज्ञापन सौंपा

सरपंच ने पैसे जनपद सीईओ के बिस्तर पर रखे थे इसी दौरान लोकायुक्त ने की कार्रवाई

दमोह। कुटरी ग्राम पंचायत के सरपंच रामकुमार मिश्रा द्वारा साजिश रचकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पटेरा के विस्तर पर बीस हजार रुपये रख कर चले गए, तभी लोकायक्त सागर टीम द्वारा कार्यवाही की गई. जिसके संबंध में पटेरा जनपद के समस्त पंचायतों के सरपंच सचिवों ने एकत्रित होकर तहसीलदार व थाना प्रभारी पटेरा को ज्ञापन सौंपा व ज्ञापन में बताया गया मुख्यकार्यपालन अधिकारी पटेरा भूर सिंह रावत द्वारा इनकी पदस्थापना से दिनांक तक किसी भी निर्माण कार्यों की कभी भी किसी भी प्रकार की राशि की मांग नही की गई.

कुटरी पटेरा जनपद पंचायत में पदस्थ ग्राम पंचायत के सरपंच रामकुमार मिश्रा द्वारा सडयंत्रपूर्वक मुख्यकार्यपालन अधिकारी भूर सिंह रावत के खिलाफ यह कार्यवाही करवाई गई.इनके विरुद्ध की जा रही कार्यवाही को नस्तीबद्ध करने का आग्रह किया गयाद्य

गले से सोने की चेन छपटने वाले आरोपियों को सात वर्ष की सज़ा

सरकारी वकील की सटीक पैरवी से महिला को न्याय मिला आरोपी जेल की सलाखों के पीछे कैद हुये

इटारसी-तीन वर्ष पूर्व मालवीय गंज निवासी एक बुजुर्ग महिला मंजुलता शर्मा के गले से सोने की चेन छपटने वाले तीन आरोपियों को माननीय तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती सुशीला वर्मा ने सारे सबूतों के आधार पर सात वर्ष की सजा से दंडित किया है।इस सबंध में एजीपी भूरे सिंह भदौरिया ने बताया कि मालवीयगंज निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग मंजुलता शर्मा तीन वर्ष पूर्व 18 सितंबर की सुबह अपने घर से मॉर्निंग वॉक के लिये निकली थी।पुराने तक्षशिला स्कूल के पास महिला जैसे ही पहुंची वहां पहले से घात लगाकर घूम रहे बाइक सवार दो बदमाश महिला के गले से सोने की चेन झपटकर रफू चक्कर हो गए पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरा में इस घटना के संबंध में फुटेज की तलाश की जहां महिला के गले से चैन खींचते हुए दो आरोपी पल्सर मोटरसाइकिल पर दिखाई दिए यह मामला इतना ज्यादा मच गया कि जिन आरोपियों ने इस घटना को अंजाम दिया था उसे तक पहुंचने में पुलिस ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया पुलिस ने राज्यस्तरीय बंटी बबली के नाम से चर्चित गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया इस घरों में एक महिला भी शामिल थी। इस मामले में पुलिस ने साहिल उर्फ से पुत्र खान अली ईरानी निवासी पिपरिया आरिफ शाह उर्फ गोल्डी उर्फ मोटू पुत्र जालिम शाह निवासी पिपरिया एवं एक युक्ति को गिरफ्तार गिरफ्तार किया पुलिस द्वारा सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया इसी मामले में आज तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती सुशीला वर्मा द्वारा सभी सबूत के आधार पर तीनों आरोपियों को सात-सात वर्ष कारावास एवं 1000-1000रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने और पीड़ित भैया महिला को न्याय दिलाने में एजीपी भूरे सिंह भदोरिया एवं राजीव शुक्ला द्वारा न्यायालय के समक्ष सटीक पैरवी की।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाएगी भाजपा

नगर भाजपा द्वारा जिला अस्पताल में फल वितरण , घाट में नर्मदा जी की पंच चौकी आरती

मंडला। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर आगामी 25 व 26 दिसम्बर को आयोजित सुशासन दिवस व वीर बाल दिवस का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष भीष्म द्विवेदी के नेतृत्व में नगर मुख्यालय सहित मंडला जिले के सभी मंडलों व बूथ स्तर पर मनाया जाएगा।भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के शताब्दी समारोह को भाजपा 'सुशासन दिवस' के रूप में एक साल तक मनाएगी साथ ही वीर बाल दिवस के मौके पर जिला से लेकर मंडल स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिले में मंडल स्तर की वर्चूवल बैठक कर कार्यक्रम तय किए गए हैं,मंडला नगर मंडल में 25 दिसंबर को प्रातः दस बजे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती के अवसर पर जिला चिकित्सालय मंडला में मरीजों को फल वितरण किए जाएंगे तत्पश्चात दोपहर 1ः00 बजे सुशासन दिवस के अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित होंगे।शाम को माहिष्मती घाट में नर्मदा जी की पंचचौकी आरती पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की पुण्य स्मृति में नगर भाजपा द्वारा की जाएगी।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविर संपन्न

छतरपुर। नगर पालिका छतरपुर द्वारा निकाय में मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत 26 जनवरी 2025 तक हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए मंगलवार को शिविर का आयोजन किया गया।छतरपुर विधायक ललिता यादव ने कहा कि खजुराहो में 25 दिसम्बर को प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसम्बर को खजुराहो में केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना का भूमिपूजन कार्यक्रम किया जाना है। इस परियोजना से होने वाले लाभ की जानकारी शिविर में दी और सभी जिलेवासियों से इस कार्यक्रम शामिल होने की अपील की।नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया ने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं से शत-प्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही वार्ड स्तर पर घर-घर सर्वे कर सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत पात्र माता-पिता को लाड़ली लक्ष्मी प्रमाण

पत्र वितरित किए गए। साथ ही उन्होंने कहा कि केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना का भूमिपूजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 25 दिसम्बर को खजुराहो मे कार्यक्रम होने जा रहा है। सभी नागरिकों से इस कार्यक्रम शामिल होने की अपील की।

एफएलसी एसबीआई हरिशचन्द्र नापित ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा जरूर कराए।

इस अवसर पर राजेंद्र यादव, पार्षद रामदयाल यादव दीपेन्द्र असाटी, सिटी मिशन मैनेजर सीपी गुप्ता, सुपरवाईजर शशि गर्ग, शिवानी असाटी, गणेश ताम्रकार, जीतेन्द्र घोष, सुदीप तिवारी, हिमांशु पाटकर, रामसिंह राय, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अधिकारी-कर्मचारी सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड के लिए सौगात लेकर आई अटलजी की जयंती: ललिता यादव

छतरपुर। भारत-रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती तथा क्रिसमस के अवसर पर छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि अटल जी की जन्मशती बुंदेलखंड के लिए सौगात लेकर आई है। अटल जी सपना था कि केन और बेतवा नदियों को जोड़कर इस क्षेत्र की प्यासी जमीन को सिंचित किया जा सके जिसका शिलान्यास अटल जी जयंती पर होना हम सबका सौभाग्य है। उन्होंने क्रिसमस यानि बड़े दिन पर भी सभी को शुभकामनाएं दी।

बैरसिया में कांग्रेस ने निकाली पैदल यात्रा , अध्यक्ष पटेल बोलें: भाजपा संविधान विरोधी

बैरसिया।। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर पर की गई एक टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को बैरसिया में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बाबा साहब की तस्वीर लेकर पैदल मार्च निकालते हुए एसडीएम आशुतोष शर्मा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा है। भोपाल ग्रामीण अध्यक्ष अनोखी पटेल के नेतृत्व में स्थानीय अम्बेडकर पार्क स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बस स्टैंड चौराहे से पैदल मार्च करते हुए गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफा की मांग के नारे के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंच ज्ञापन दिया इस दौरान अध्यक्ष अनोखी मानसिंह पटेल ने कहा कि हम सब को जिसने अधिकार दिलाया है उनके ऊपर इस प्रकार अभद्र टिप्पणी करना कहीं ना कहीं भाजपा का देश से संविधान को खत्म करने का इरादा है आज हम सब ने मिलकर विरोध प्रदर्शन किया हम सब की मांग है कि अमित शाह माफी मांगे साथ ही हमारे नेता राहुल गांधी पर झूठे आरोप लगाए हैं वह वापस ले वहीं इस मौके पर महासचिव अवनीश भार्गव ने कहा कि आज जिस तरह से पूरे देश में भारत के संविधान को कुचला जा रहा है। बाबा साहब के खिलाफ टिप्पणी हुई है भारतीय जनता पार्टी के गृहमंत्री ने बाबा साहब का अपमान किया है उस बात पर वह इस्तीफा दे भाजपा के नेताओं को उनसे इस्तीफा लेना चाहिए प्रधानमंत्री उन्हें बर्खास्त करें भारतीय जनता पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह बाबा साहब के अपमान करने वालों के साथ खड़ी है या संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता के साथ है।पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी ने अराजकता का माहौल निर्मित कर दिया राहुल गांधी जी के ऊपर झूठा प्रकरण दर्ज कर संविधान की चर्चा को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर अरुण श्रीवास्तव ,कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा जयश्री हरिकरण मदन सिंह ठाकुर पूर्व पार्षद रघु यादव लोकेश दांगी राजू धाकड़ सहित कई कांग्रेसी उपस्थित रहे

जनकल्याण पर्व शिविर में अचानक पहुंचे विधायक , अधिकारियों के नहीं होने पर भड़के , केवल कर्मकांड कर रहे हो जनकल्याण पर्व का

सिरोंज। पुरानी बस स्टैंड पर जनकल्याण पर्व के तहत सोमवार को शिविर का आयोजन किया गया था अक्टूबर में अधिकांश अधिकारी कर्मचारी गायब थे। इनकी पोल भी विधायक के पहुंचने से खुल गई इन्हें उम्मीद नहीं थी विधायक शर्मा शिविर मे आ जाएंगे वहीं अधिकांश शिविरों में खानापूर्ति की जा रही थी नगर पालिका स्टाफ ही रहता था बाकी विभागों के अधिकांश अधिकारी कर्मचारी गायब रहते थे। सरकार के द्वारा महत्वपूर्ण पर्व प्रारंभ उसकी जमीनी हकीकत देखने के लिए जब अचानक विधायक उमाकांत शर्मा पहुंचे तो शिविर में तहसीलदार से लेकर जिनकी ड्यूटी थी उनमें अधिकारी कर्मचारी मौके पर नहीं थें। इसके बाद विधायक नाराजगी जाहिर करते हे फोन पर जिम्मेदार अधिकारियों से बात की वहां से जवाब आया की टील के कारण तहसीलदार नहीं इस पर विधायक ने कहा कि टील है जनकल्याण पर्व औपचारिकता पूरी करने के लिए हो रहा है। पटवारी आर आई क्या कर रहे हैं जनप्रतिनिधि बैठे हैं जनता परेशान उनकी सुनवाई कौन करेगा जनकल्याण पर्व का कर्मकांड केवल किया जा रहा है। इसके बाद जिन अधिकारी कर्मचारी की शिविर में ड्यूटी लगाई गई थी उनकी सूची मांगी उनको लेकर नगर पालिका में निर्माण शाखा प्रभारी

बालमुकुंद कुशवाहा थी जिसको देखकर विधायक ने रोहित तोमर का नाम पुकारा वहा मौजूद नहीं थे। इसके बाद फिर विधायक ने जिम्मेदार अधिकारियों से फोन पर पूछा कि यह कहां है बार-बार रोहित तोमर को पुकारा गया पर वह नजर नहीं आए इस दौरान जैसे ही विधायक पहुंचे तो कई महिलाएं अपनी समस्या लेकर इनके पास पहुंची वही एक महिला जिसकी उम्र 78 है इसके बाद भी उसको पेंशन नहीं मिल रही है विधायक ने इसके संबंध में पूछा क्यों नहीं मिल रही है पात्रता में आ रही है तो इनको मिलनी चाहिए सभी कार्रवाई पूरी करके स्वीकृति प्रदान की जाए बड़ी संख्या हितग्राही अपनी परेशानी लेकर विधायक के समक्ष पहुंचे उन्होंने अपनी अपनी समस्या के संबंध में आवेदन भी दिए जिनको दूर करवाने का आश्वासन भी विधायक श्री शर्मा के द्वारा दिया इससे पहले नगर में आयोजित हो रहे जन कल्याण पर्व के शिवरों में नगर पालिका के अलावा अन्य विभागों के ज्यादातर अधिकारी कर्मचारी पहुंचते ही नहीं है। कभी कभार एक दो विभागों के अधिकारी पहुंचकर खाना पूर्ति कर देते इस वजह से मुख्यमंत्री मोहन सरकार के 1 साल पूरे होने पर आयोजित हो रहे जन कल्याण पर्व शिविर क लाभ जनता को पूरी तरह से नहीं मिला रहा है। इसकी पोल भी विधायक के सामने खुल गई विधायक के पहुंचने के बाद तहसीलदार संजय चौरसिया से लेकर अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौका पर पहुंचे शिविर में हाजी देने पहुंचे । वही पात्र हितग्राहियों को शासन की योजना से लाभान्वित करने का काम भी किया कुछ हितग्राहियों को शासन की योजना से लाभान्वित करने के स्वीकृति पत्र भी विधायक ने हितग्राहियों को प्रदान किए ।

जिला न्यायालय में कर्मचारी संघ का चुनाव संपन्न

मण्डला--जिला न्यायालय कर्मचारी संघ के 18 वर्ष बाद चुनाव शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव में कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और नए पदाधिकारियों का चयन किया। चुनाव प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अध्यक्ष पद पर संजीत चौरसिया,उपाध्यक्ष श्वेता चौरसिया, सचिव भोरम उइके चयनित हुए। चुनाव अधिकारी मोहन लाल शर्मा ने चुनाव प्रक्रिया का संचालन किया और सभी प्रतिभागियों को निष्पक्षता बनाए रखने के लिए धन्यवाद दिया। नव निर्वाचित अध्यक्ष संजीत चौरसिया ने कहा हम संघ के विकास और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करेंगे।हम सभी कर्मचारी एक जुट होकर संघ को नई ऊंचाई देंगे।यह चुनाव कर्मचारियों की एकता और संघ की मजबूती का प्रतीक है। सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के विश्वास और समर्थन के लिए आभार प्रकट किया।

सांध्यप्रकाश विशेष

भारत में सुशासन के राष्ट्र-पुरुष की जयंती

नरेंद्र मोदी

'मैं जी भर जीया, मैं मन से मरूं, लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं?' अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं... कितने गूढ़ हैं। अटल जी कूच से नहीं डरे... उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे- 'जीवन बंजारों का डेरा, आज यहां कल कहां कूच है, कौन जानता किधर सवेरा।'

आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर ललया था और जोर-से पीठ पर धौल जमा दी थी। वो स्नेह, अपनत्व, प्रेम... मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

आज 25 दिसम्बर का ये दिन भारतीय राजनीति और जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटलजी को, उन आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है। 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई

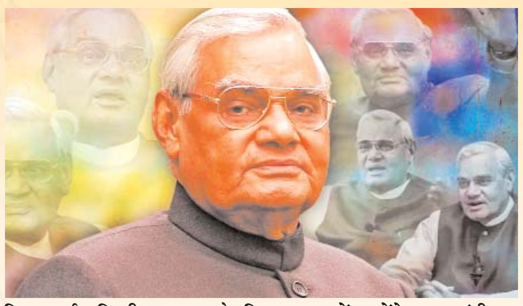

दिशा, नई गति दी। 1998 के जिस काल में उन्होंने प्रधानमंत्री पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा था।

9 साल में देश ने चार बार लोकसभा चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटलजी ने देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव-विकास की गारंटी दी।

वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वो भविष्य के भारत के परिकल्पना-पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्युनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासनकाल में ही एनडीए ने टेक्नोलॉजी को सामान्य मनुष्य की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया।

भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किए गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा, वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए भी एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए।

उनके शासनकाल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने न सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया।

जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, अटलजी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के हर वर्ग यानी ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य आमजन के जीवन को बदलना ही रहा।

उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, जब एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे ऑपरेशन शक्ति का नाम दिया गया।

इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया। इसने दुनिया को दिखाया कि भारत का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में है, जो अलग मिट्टी से बना है।

जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वो लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी उनके भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं।

कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया कि ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है। संसद में कहा गया उनका ये वाक्यज 'सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए'ज आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है।

अटल जी की 100वीं जयंती भारत में सुशासन के एक राष्ट्र-पुरुष की जयंती है। आइए हम इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए एक ऐसे भारत का निर्माण करें, जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो।

(लेखक देश के प्रधानमंत्री हैं)

भोपाल टैक्स प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन द्वारा सदस्यों के लिए ग्रुप स्टडी मीटिंग का आयोजन स्टेट जी एस टी कार्यालय के मीटिंग हॉल में किया गया जिसमे वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जी एस टी एक्सपर्ट श्री राजेश्वर दयाल जी के द्वारा जी एस टी अधिनियम के तहत जमा की जाने वाली ई वे बिल एवं जी एस टी अधिनियम की धारा 129 के बारे में संस्था के सदस्यों को जानकारी साझा की गई इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार शाक्या द्वारा की गई इस अवसर पर टैक्स लॉ बार के अध्यक्ष श्री मृदुल आर्य जी एवं संस्था के सहसचिव हरीसिंह वर्मा कोषाध्यक्ष प्रशांत काबरा कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र साहू दीपक चक्रवर्ती विनोद ठाकुर धीरज अग्रवाल जयंत जोशी एवं संस्था के पूर्व अध्यक्ष भूपेश खुरपिया हर्ष गुप्ता उपस्थित रहे।

मप्र-उप्र के 14 जिलों को हरा-भरा बनाएंगी केन-बेतवा, 65 लाख को मिलेगा पेयजल

भोपाल। राजनीति के पुरोधा और देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का नदी जोड़ो परियोजना का बड़ा सपना पूरा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को अटल जी की 100वीं जयंती पर मध्यप्रदेश के खजुराहो में केन-बेतबा लिंक प्रोजेक्ट की आधारशिला रखेंगे। इस प्रोजेक्ट के पूरे होने से बुंदेलखंड की तस्वीर बदल जाएगी। स्क्कऔर क्कके 14 जिलों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। वहीं, दोनों राज्यों के 65 लाख लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी।

मध्यप्रदेश के 10 जिलों के दो हजार से ज्यादा गांवों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी। वहीं, उत्तरप्रदेश में 59 हजार हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। ऐसे ही स्क्कके 44 लाख तो क्कके 21 लाख लोगों को पीने का साफ पानी मिल सकेगा। रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। उद्योगों और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसी के साथ इस प्रोजेक्ट के जरिए 103 मेगावाट बिजली (जल विद्युत) और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा।

44 हजार 605 करोड़ रुपए है लागत

इस प्रोजेक्ट की लागत 44 हजार 605 करोड़ रुपए है। इसमें केंद्र सरकार 90 फीसदी पैसा खर्च करेगी, जबकि मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश सरकार 10 फीसदी राज्यांश देंगी। यह परियोजना भारत में सबसे बड़ी भूमिगत दाबयुक्त पाइप सिंचाई प्रणाली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि 2025-26 तक मध्यप्रदेश में सिंचाई का क्षेत्र 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाए। सरकार की योजना है कि 2028-29 तक इसे एक करोड़ हेक्टेयर तक बढ़ा दिया जाए। इसके लिए कई प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

मप्र और उप्र के इन जिलों को होगा फायदा

केन-बेतवा लिंक परियोजना दौधन में एक विशाल बांध के निर्माण से शुरू होगी, जहां से केन नदी के अधिशेष जल को 221 किलोमीटर लंबी लिंक कैनाल के जरिए बेतवा नदी में प्रवाहित किया जाएगा। इस कैनाल के दोनों ओर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे लाखों किसानों को लाभ मिलेगा। इस प्रोजेक्ट से मध्यप्रदेश के 10 जिलों को सीधे तौर पर बड़ा लाभ होगा। इनमें छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, शिवपुरी, निवाड़ी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर जिला शामिल है। वहीं, उत्तरप्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर और बांदा जिलों को सीधा फायदा होगा।

अटल जी ने देखा था नदी जोड़ो का सपना

देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने समग्र विकास और जल संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का सपना देखा था। उनका मानना था कि देश के अलग-अलग हिस्सों में जल वितरण की असमानता को दूर करने के लिए नदियों को आपस में जोड़ना जरूरी है। वर्ष 2002 में वाजपेयी सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी। इसके तहत रूपरेखा तैयार की गई थी। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इसके बाद परियोजना के लिए मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय के बीच 22 मार्च 2021 को त्रिपक्षीय सहमति ज्ञापन (स्रू) हस्ताक्षरित किया गया था। अब 25 दिसंबर को इसका शिलान्यास हो रहा है।

क्या है केन-बेतवा परियोजना?

केन-बेतवा लिंक परियोजना भारत की पहली राष्ट्रीय नदी जोड़ो योजना है। यह योजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की पानी की कमी को दूर करने के लिए बनाई गई है। परियोजना के जरिए केन नदी का अतिरिक्त पानी बेतवा नदी में पहुंचाया जाएगा। मध्यप्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में केन नदी पर 77 मीटर ऊंचा और 2.13 किलोमीटर लंबा दौधन बांध बनाया जाएगा। बांध से पानी ले जाने के लिए 221 किलोमीटर लंबी नहर और दो सुरंगों का निर्माण होगा। बांध में 2,853 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का भंडारण किया जा सकेगा।

पर्यावरण और पर्यटन को भी फायदा

इस प्रोजेक्ट के पूरे होने से पन्ना टाइगर रिजर्व में पूरे साल जंगली जानवरों को पानी मिलेगा, जिससे वहां का पर्यावरण बेहतर होगा। परियोजना से बुंदेलखंड के ऐतिहासिक चंदेल कालीन तालाबों का भी संरक्षण किया जाएगा, जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा। इस परियोजना से सिंचाई की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल होगा, जिससे किसान ज्यादा फसल उगा सकेंगे। पानी और रोजगार मिलने से लोगों का पलायन रुकेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

भोपाल के पत्रकारिता विवि को मिलेंगे 100 करोड़ से अधिक पंकज पाठक

स्थाई वीसी के बिना नेक की टीम ने किया निरीक्षण , यूजीसी की मान्यता मिलने की संभावना

भोपाल । राजधानी भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के स्थाई और नियमित कुलगुरु (वीसी) की नियुक्ति अधर में लटकने की स्थिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नेक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कौंसिल) याने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम ने विश्वविद्यालय का तीन का निरीक्षण पूरा कर लिया, जिसके बाद इसे यूजीसी की मान्यता मिलने की संभावना बढ़ गई है । निरीक्षण के समय कार्यवाहक वीसी एवं आयुक्त, जनसंपर्क विभाग डॉ. सुदाम खाड़े पूरे समय थे । एक ओर जहाँ यूजीसी विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों को शोध और अधोसंरचना आदि के लिए करोड़ों रुपए की धनराशि देगी, वहीं दूसरी तरफ उसे रूसा (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) का अनुदान भी मिलने लगेगा । यह सभी राशि सौ करोड़ रुपये से भी अधिक होने की संभावना है ।नेक की टीम में छह सदस्य थे, ये हैं–प्रो. निरंजन वनाली (वाइस चांसलर बेंगलुरु नार्थ यूनिवर्सिटी, कोलार, कर्नाटक), डॉ. सुरभि दाहिया (प्रोफ़ेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन, साउथ दिल्ली), डॉ. रईस खान (प्रोफ़ेसर, डिपार्टमेंट ऑफ़ इन्फ़ॉर्मेशन टेक्नोलॉजी बाबा साहब अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश), डॉ. दिब्यज्योति भट्टाचार्जी (प्रोफ़ेसर, सांख्यिकी विभाग असम विश्वविद्यालय सिल्चर, असम), डॉ. नंद कुमार सुब्रमण्यम (अध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाडु), और डॉ. पवन कुमार शर्मा (प्रोफ़ेसर, वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान) । नेक की टीम इसी हफ़्ते अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी । अब देखना है एमसीयू को कौन-सी ग्रेड मिलती है । इसकी ग्रेड नौ कैटेगरी में हैं । ये इस प्रकार हैं–ए++, ए+, ए, बी++, बी+, बी, सी++, सी+, सी। पिछले 32 सालों से यह विश्वविद्यालय फ़ीस के दम पर चल रहा है । इसे कहीं से भी अनुदान नहीं मिलता है । देश भर में इसके कुल 1600 अध्ययन केंद्र हैं, जिसमें 42 राज्य के बाहर हैं । विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या 1500 है । इसमें देश के अध्ययन केंद्रों के छात्रों की संख्या मिला की जाए, तो छात्रों का यह आंकड़ा बढ़कर 175000 हो जाएगा । इस विराट विश्वविद्यालय का विशालकाय नया परिसर 50 एकड़ (58 लाख वर्ग फ़ीट) क्षेत्र में फैला हुआ है । इसके निर्माण में 160 करोड़ रुपये ख़र्च किए गए और ख़ास बात यह है कि यह समुचित धनराशि विश्वविद्यालय ने अपनी आय में से ही ख़र्च की । निश्चित यादव को नियम 12-बी के अंतर्गत यूजीसी की अस्थाई मान्यता प्राप्त है । विश्वविद्यालय की कुछ खूबियाँ हैं, तो कुछ कमियां भी हैं । विश्वविद्यालय को निरीक्षण के बाद कौन-सी ग्रेड मिलती है, इसके क़यास लगाए जा रहे हैं ।

आज कोलार व्यापारी महासंघ द्वारा आयोजित वार्षिक महासम्मेलन–2024 मे बीसीसीआई के सम्मानीय अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली के सान्निध्य में विशिष्ट अतिथि के रूप मे सम्मिलित हुआ इस अवसर पर हुज़ूर के लोकप्रिय विधायक ामेश्वर शर्मा ने आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्तिथ व्यापारी बंधुओ को संबोधित कर अपना मार्गदर्शन प्रदान किया,महासंघ संरक्षक मा.श्री ऋ्हु1द्वठ्ठस्त्रह्लड्ड ङ्कड्डह्लद्व ने कार्यक्रम स्थल पर व्यापारी बंधुओ के मध्य संवाद आयोजित कर कोलार व्यापारी महासंघ के विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों की समस्याओं एवम समाधान पर सार्थक चर्चा कर सम्मेलन को नई दिशा प्रदान की

क्रोमा ने किया सुपर एक्सचेंज पेशकश का अनावरण

मुंबई, एजेंसी। टाटा समूह द्वारा समर्थित भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा ने नए साल के जश्न की शुरुआत करने के लिए अपनी सुपर एक्सचेंज पेशकश का अनावरण किया है। सुपर एक्सचेंज ग्राहकों के लिए अपने पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की जगह नए सामान लेना आसान बनाता है और साथ ही स्वच्छ, हरित भविष्य में योगदान देता है। 21 दिसंबर, 2024 से शुरू हुई इस सुपर एक्सचेंज पेशकश के तहत ग्राहकों को अपने पुराने गैजेट को बदल कर नए, कम ऊर्जा की खपत करने वाले उपकरण लेने पर आम तौर पर मिलने वाले लाभ के मुकाबले तीन गुना अधिक लाभ मिलता है।

सुपर एक्सचेंज के तहत, चुनिंदा घरेलू उपकरणों और अन्य विभिन्न किस्म के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की अदला-बदली करने वाले ग्राहकों को 3 गुना तक एक्सचेंज (अदला-बदली) लाभ और नए उत्पादों पर विशेष पुरस्कार और छूट मिलेगी। इसके अलावा, वे पुराने लैपटॉप और मोबाइल को एक्सचेंज करने पर 21,000 रुपये तक बचा सकते हैं।

ग्राहक इस अदला-बदली की पहल के तहत किसी भी पुराने डिवाइस को बदल कर नए उत्पाद ले सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अपने पुराने ग्राइंडर को बदल कर एकदम नया स्मार्ट टीवी खरीद सकते हैं! इसके अलावा, जिन ग्राहकों के पास ऐसे उत्पाद हैं जो अब काम नहीं करते, उनके लिए भी कुछ ख़ास है। वे भी ऐसे बेकार हो चुके उपकरणों को अपने नजदीकी क्रोमा स्टोर पर ले जाकर बदले में 500 रुपये के क्रोमा वाउचर पा सकते हैं।

टाइटन ने अपनी 40वीं सालगिरह के मौके पर विंग कमांडर राकेश शर्मा को दिया सम्मान

बैंगलुरू एजेंसी। उत्कृष्टता के चार दशकों का जश्न मनाते हुए टाइटन वॉचेज़ ने अपनी 40वीं सालगिरह के मौके पर भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों में से एक - अंतरिक्ष यात्रा करने वाले पहले भारतीय विंग कमांडर राकेश शर्मा की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा को सम्मान दिया है। 1984 में अंतरिक्ष यान सोयुज़ टी-11 की यात्रा के साथ अंतरिक्ष से धरती को देखते हुए श्री शर्मा ने इतिहास रच दिया, जब उनसे पूछा गया कि अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है, तब उन्होंने बेहद लोकप्रिय शब्द कहे 'सारे जहां से अच्छा'। भारत को एकजुट करने वाले ये शब्द लाखों दिलों को छू गए। चालीस साल बाद, टाइटन अपनी कारीगरी एवं इनोवेशन की धरोहर का जश्न मना रहा है, इस मौके पर ब्राण्ड ने ब्रह्मांड से प्रेरित लिमिटेड एडीशन घड़ी 'युनिटी वॉच' का लॉन्च किया है, जो इस अनूठी कहानी को बयां करती है। युनिटी वॉच अंतरिक्ष से धरती के दृश्य के बारे में श्री शर्मा के दृष्टिकोण से प्रेरित है- जो देश की एकजुटता और असीमित संभावनाओं का प्रतीक है। उसका नाम मानवता एवं भावी एकजुटता के सपनों से जुड़ी दुनिया के दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति करता है।

अगले दादा साहब फाल्के पुरस्कार का सबसे अधिक हकदार कौन है?

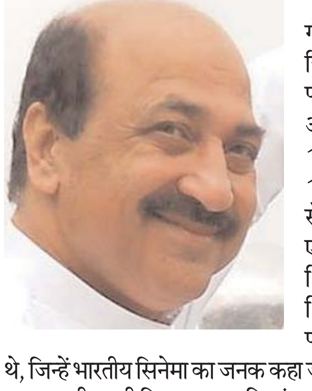

धुंडिराज गोविंद फाल्के जिन्हें दादा साहब फाल्के (30 अप्रैल 1870 - 16 फ़रवरी 1944) के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय निर्माता-निर्देशक-पटकथा लेखक थे, जिन्हें भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाता है।

उनकी पहली फ़िल्म, राजा हरिश्चंद्र, 1913 में रिलीज़ हुई पहली भारतीय फ़िल्म थी, और अब इसे भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली पौराणिक फ़ीचर फ़िल्म के रूप में जाना जाता है। उन्होंने 1937 तक 19 साल के अपने करियर में 94 फ़ीचर-लेंथ फ़िल्में और 27 लघु फ़िल्में बनाईं, जिनमें उनकी सबसे प्रसिद्ध फ़िल्में शामिल हैं÷ मोहिनी भस्मासुर (1913), सत्यवान सावित्री (1914), लंका दहन (1917), श्री कृष्ण जन्म (1918) और कालिया मर्दन (1919)। उनके सम्मान में, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कारों के तहत सर्वोच्च मानद पुरस्कार के रूप में दादा साहब फाल्के पुरस्कार की स्थापना की गई ।

धर्मेंद्र ! महान भारतीय फिल्म अभिनेता और निर्माता। उन्हें भारतीय सिनेमा के ही-मैन के रूप में जाना जाता है, जिनका करियर 60 साल से अधिक और 300 से अधिक फिल्मों तक फैला हुआ है। धर्मेंद्र भारतीय सिनेमा में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं, जो अपने दमदार आकर्षण, प्रभावशाली अभिनय कौशल और स्थायी अपील के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आज तक हिंदी सिनेमा में किसी भी अन्य हीरो से अधिक हिट फिल्में दी हैं !! और अब तक की कुछ सबसे प्रतिष्ठित हिंदी फिल्मों में दिखाई दी हैं

शोले (1975) मेरा गाँव मेरा देश(1971)सीता और गीता (1972)यादों की बारात (1973) जुगनू (1973) फूल और पत्थर (1966) आँखें (1968) जीवन मृत्यु (1970) आई मिलन की बेला(1964) काजल (1965)

धर्मेंद्र ने अपने करियर में तकरीबन हर एक्ट्रेस के साथ काम किया है. कुछ मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अकेले हेमा मालिनी के साथ ही धर्मेंद्र ने करीब 35 से अधिक फिल्मों में काम किया है. जिसमें से 20 से ज्यादा फिल्में हिट साबित हुई.हेमा मालिनी और धर्मेंद्र 60 से 80 के दशक के हिट मशीन कहे जाते थे. दोनों ने साथ में %शराफत%, %तू हसीं मैं जवान%, %सीता और गीता%, %राजा जानी%, %जुगनू%, %दोस्त%, %पत्थर और पायल%, %प्रतिज्ञा, शोले%, %चरस%, %ड्रीम गर्ल%, %चाचा भतीजा%, जैसी कई ऐसी फिल्मों में काम किया जो सुपरहिट साबित हुई थी धर्मेंद्र ने अपने करियर में तकरीबन हर एक्ट्रेस के साथ काम किया है. कुछ मीडिया रिपोर्ट की वह किसी अन्य से अधिक इस पुरस्कार के हकदार हैं !

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अपने करिश्माई अभिनय के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया है, जिनमें चुपके-चुपके और प्रतिज्ञा शामिल हैं। बॉलीवुड में उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, उन्होंने कई प्रमुख पुरस्कार नहीं जीते हैं, जिसके लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है÷

प्रतिस्पर्धा ÷ भारतीय फिल्म उद्योग में हमेशा से ही प्रतिस्पर्धा रही है, जिसमें कई प्रतिभाशाली अभिनेता पुरस्कारों के लिए होड़ करते हैं। धर्मेंद्र के दौर में अमिताभ बच्चन और राजेश खन्ना जैसे अन्य अभिनेता भी प्रमुख थे, जिसने शायद उनके अभिनय को फीका कर दिया।

शैली पूर्वाग्रह ÷ धर्मेन्द्र ने प्रायः व्यावसायिक फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें एक्शन और रोमांस भी शामिल थे, जिन्हें पुरस्कार समितियों द्वारा पसंद नहीं किया गया, जो अधिक गंभीर या कलात्मक अभिनय की सराहना करती हैं।

पुरस्कार रुझान ÷ पुरस्कार समितियों की प्राथमिकताएँ समय के साथ बदल सकती हैं। धर्मेंद्र के करियर के चरम पर, उनका ध्यान उन फिल्मों की ओर अधिक रहा होगा जो या तो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित थीं या जिनमें मजबूत सामाजिक संदेश थे।

टाइपकास्टिंग ÷ धर्मेन्द्र को अक्सर ऐसी भूमिकाओं में टाइपकास्ट किया जाता था, जो उनकी मर्दाना छवि पर जोर देती थीं, जिसे शायद उस तरह से बहुमुखी अभिनय के रूप में मान्यता नहीं मिली, जिस तरह से अधिक नाटकीय भूमिकाओं को मान्यता दी जाती है।

पुरस्कारों से परे मान्यता ÷ हालांकि धर्मेंद्र ने बहुत अधिक पुरस्कार नहीं जीते हैं, लेकिन उन्हें दर्शकों से अपार प्यार और सम्मान मिला है, जो फिल्म उद्योग में सफलता का एक महत्वपूर्ण पैमाना है।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को हाल ही में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने का ऐलान किया गया है। इस ऐलान के बाद उनके घरवालों और फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन अब गुजरे जमाने की फेमस एक्ट्रेस %ड्रीम गर्ल% हेमा मालिनी का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है। धर्मेंद्र को मिलना चाहिए दादा साहब फाल्के अवॉर्ड, जो अब तक नहीं मिला...% बीवीऔरसंसद हेमा मालिनी का छलका दर्द,ने कहा कि उनके पति और भाजपा के पूर्व संसद एवम प्रसिद्ध फिल्म स्टार धर्मेंद्र भी दादा साहब फाल्के पुरस्कार के हकदार हैं। ÷हर साल यह पुरस्कार किसी कलाकार को दिया जाता है। मुझे लगता है कि धरम जी को भी यह पुरस्कार मिलना चाहिए। दरअसल, धरम जी को यह पुरस्कार 10-15 साल पहले ही मिल जाना चाहिए था। इस बार बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को यह पुरस्कार मिला है। वह एक बहुत अच्छे अभिनेता और इंसान भी हैं।

धर्मेंद्र ने (यमला पगला दीवाना के अभिनेता) ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलने पर उनके लिए एक नोट लिखा।, मेरे प्यारे छोटे भाई मिथुन, दादा साहब फाल्के के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए बधाई। सभी प्रियजनों और दोस्तों को मेरा प्यार। मेरे विनम्र बेटे, मैं भारत से बाहर हूँ। मैं तुम्हें गले लगाने के लिए व्यक्तिगत रूप से आऊँगा।

सुनील डंग, पूर्व सदस्य, भारतीय प्रेस परिषद

राष्ट्रीय गणित दिवस पर व्याख्यान

छिंदवाड़ा। राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय गणित दिवस पर महान गणितज्ञ श्री रामानुजन की 137वीं जयंती दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें हमारे दैनिक जीवन में गणित की उपयोगिता एवं महत्व विषय पर विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. महिम चतुर्वेदी, मुख्य अतिथि डॉ. विपिन मोखलगाय, शासकीय महावि0 बिछुआ ने गणित विषय पर एवं रामानुजन की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 पी.बी.पाठ, प्रमोद झाड़े, ओमप्रकाश साहू, श्रीमती तंजीम मंसूरी एवं गणित विभाग की छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

पुजारी संघ की स्थापना दिवस 21 जनवरी को

छिंदवाड़ा। म प्र. संत पुजारी संघ की बैठक आबकारी शिव मंदिर में रखी गई जिस में 21 जनवरी 2025 को स्थापना दिवस भोपाल में मनाया जाना तय हुआ जहां सभी जगह के संत पुजारी एकजुट होंगे जिस में सोलह संस्कारों पर चर्चा होगी एवं सनातन धर्म की रक्षा हेतु संकल्प लिया जाएगा, बैठक में महाकौशल प्रभारी प. मनीष तिवारी, जिलाप्रभारी प. राजेश दिवेदी, जिला अध्यक्ष प. सुनील तिवारी, जिला उपाध्यक्ष प. शिव शंकर मिश्र, प. राजू पाठक, प. अवधेश तिवारी, प. सुरेंद्र शर्मा, प. नन्द किशोर शर्मा, प. विनोद तिवारी उपस्थित हुए

फिटनस को लेकर इस बार होगा विजयश्री ट्रॉफी का आयोजन

छिंदवाड़ा। आगामी 26 दिसम्बर को स्व. विजय सनकत के जन्मदिन के अवसर पर बॉडीबिल्डिंग के शौकीन ओर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए विजय श्री ट्रॉफी का आयोजन दशहरा मैदान में किया जाएगा। अजय सनकत और नीरज सनकत द्वारा इसका आयोजन अपने पिता की स्मृति में किया जाता है इस अवसर पर इंटरनेशनल खिलाड़ी रविकांत अहिरवार ने मीडिया से आयोजन को लेकर चर्चा की जिसमें बताया गया कि संभाग स्तरीय आयोजन में अलग-अलग विधाओं से युवा शामिल होंगे इस आयोजन का मकसद लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है संभाग स्तरीय बॉडी बिल्डिंग एवं मैंस फिजिक्स चैंपियनशिप के आयोजन के अवसर पर अलग-अलग तरह से कैसे आप अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं उसकी जानकारी भी मिलेगी।

कमलनाथ व नकुलनाथ ने दी क्रिसमस-नववर्ष की शुभकामनायें

छिन्दवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व पूर्व सांसद नकुलनाथ ने जिले व नगर के समस्त मसीह समाज को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनायें दी है। नेताद्वय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि प्रभु यीशु के जन्म महोत्सव को मसीह समाज धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाये और सर्वसमाज में प्रेम व भाईचारे का संदेश पहुंचायें ताकि एक दूसरे के बीच अपनत्व के सम्बंध स्थापित हों।

हल्की वर्षा होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (25 से 29 दिसम्बर 2024) साफ, मध्यम से घने बादल रहने एवं दिनांक 28.12.2024 को बिजली, तेज हवा, गरज और तूफान के साथ ओलावृष्टि व हल्की वर्षा एवं दिनांक 29.12.2024 को बिजली और गरज के साथ ओलावृष्टि व बहुत ही हल्की वर्षा होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 26-27 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 15-16 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 91-95 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 46-48 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा उत्तर-पूर्व और पूर्व दिशाओ में बहने एवं 03-06 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

पूल स्नूकर में लग रहे दाव

जुन्नारदेव। शहर मे बेरोजगारी चरम पर है! युवा बेरोजगारी के चलते गलत काम धंधों में एवं गलत नशा खोरी लत और सट्टे जुए जैसे कामों मे लगे है! जिसमे शहर मे संचालित हो रहे स्नूकर(पूल) मे शर्तबाजी लगा कर बड़े बड़े दाव लगा रहे है! आये दिन वाद -विवाद हो रहे है! जिसके चलते बड़े गंभीर लड़ाई झगड़ो की स्तिथि उत्पन्न हो रही है! और लोग अपना घर द्वार की जिम्मेदारीओ को छोड़ कर गलत आदतों नशा खोरी शराब सट्टा शर्तबाजी के चलते गृहक्लेस और घर बर्बाद हो रहे है लेकिन तारीफ तो इन अवैध धंधा करने वालो की है जो छाती ठोक कर दिलेरी से अवैध काम कर रहे है !और जिम्मेदार आंख मुंदे बैठे है! स्नूकर पूल में ही शर्तबाजी के साथ सट्टा मटका और नशे की भी व्यवस्था की जाती है ।

प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जीवाड़ा, हितग्राही ने किया अनोखा प्रदर्शन

छिन्दवाड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना में सरपंच सचिव में मिलकर एक हितग्राही की आवास योजना की राशि को गुमराह कर हड़प्प ली अब हितग्राही अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए राष्ट्रपति मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को शिकायत कर चुका है अपने हक की मांग लेकर हितग्राही का पुत्र अपने झोपड़ी नुमा मकान का मॉडल लेकर जिला कलेक्टर छिंदवाड़ा पहुंच जहां अप्पू बंदेवर ने बताया कि मेरे पिता पिता लक्ष्मीचन्द पिता सुखा बंदेवार का विगत् दिनांक 10.10.2024 को स्वर्गवास हो गया था, किन्तु उनकी मृत्यु के बाद मुझे जानकारी मिली कि मेरे पिता के नाम पर प्रधानमंत्री आवास को लेकर फर्जीवाड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास एवं किसान सम्मान निधि दिलाने की मांग

जनसुनवाई कलेक्टर ने सुनी 165 आवेदकों की समस्यायें

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 165 आवेदकों की समस्यायें सुनी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्माननिधि की राशि दिलाने, छात्रवृत्ति दिलाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी।कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिए भी चिन्हांकित किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज ग्राम तुर्कीखापा के किशोर पहाड़े ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम रिधौरामाल निवासी राजू कुमार ने पट्टे में मिली जमीन का सीमांकन करने, ग्राम पंचायत सिधौली के ग्रामवासियों ने आंगनवाड़ी भवन तथा ग्राम में सड़क व पुल बनवाने, ग्राम रजोला के ताहिर खां ने पुत्र की टी.सी. दिलाने, ग्राम जूनापानी के रामदयाल ने अवैध मकान निर्माण कार्य में रोक लगाने, ग्राम जाटाछापर के श्री भीष्म राय ने आयुष्मान कार्ड बनाने, ग्राम पगारा की श्रीमती सरिता साहू ने भूमि का पट्टा दिलाने, मोहखेड़ की श्रीमती नन्दीबाई धुर्वे ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, जुन्नारदेव निवासी एस.के.गोन्डे ने सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले क्लेम एवं पेंशन दिलाने, ग्राम खैरवाड़ा की श्रीमती रेशम गजभिये ने आवास के लिये पट्टा दिलाने, ग्राम धूसावानी के पंचम इरपाची ने पूरक पोषण आहार परिवहन का मानदेय दिलाने, ग्राम पंचायत निशानजानोजी के सरपंच ने ग्राम में सचिव पदस्थ करने, ग्राम चौराडोंगरी के घनश्याम ने कपिलधारा योजना के अंतर्गत कुंआ निर्माण करने, बटकीढाना लिंगा निवासी श्रीमती जैवन्ती भारती ने अंत्येष्ठी एवं अनुग्रह सहायता राशि दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एडीएम के.सी.बोपचे, नगरपालिक निगम आयुक्त सी.पी.राय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर आर.के.मेहरा व राहुल कुमार पटेल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई, जबकि अन्य सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जनसुनवाई में शामिल हुये।

अटल जन्म शताब्दी समारोह हेतु लोगो प्रतियोगिता का आयोजन 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक

छिंदवाड़ा। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी समारोह की शुरुआत 25 दिसंबर 2024 से होने जा रही है इस समारोह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना सुनिश्चित हुआ है। इसी तारतम्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोगो प्रतियोगिता का आयोजन पूरे देश भर में किया जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी छिंदवाड़ा द्वारा इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव के निर्देश पर अटल जनशताब्दी समारोह के संयोजक संजय पटेल एवं कार्यक्रम प्रभारी शिरिन आनंद दुबे द्वारा इस प्रतियोगिता हेतु जिले के समस्त युवा, विद्यार्थी एवं जन-सामान्य से इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अपील की गई है। कार्यक्रम प्रभारी शिरिन आनंद दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन हेतु सभी आयु वर्ग के लोग अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते हैं प्रतियोगिता के लिए कोई भी आयु निर्धारित नहीं है। प्रतिभागी अपना लोगो ड्डद्धश्च.शद्द पर अभियान का विशेष पेज बनाया गया है। केवल इस वेब पेज पर ही संबंधित प्रतिभागी के लोगो स्वीकार किए जाएंगे। प्रतियोगिता 25 दिसंबर 2024 से प्रारंभ होकर 5 जनवरी 2025 तक निर्धारित है। निर्धारित समय सीमा के बाद भेजे गए लोगो को प्रतियोगिता के लिए चयनित नहीं किया जाएगा। विजेता प्रतिभागी के डिजाइन को अभियान लोगो के रूप में प्रयोग किया जाएगा। चयनित प्रतिभागी को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जावेगा। कार्यक्रम प्रभारी शिरीन आनंद दुबे ने जिले के समस्त कलाकारों एवं आम जनता से इस प्रतियोगिता में भाग लेने का आग्रह किया है।

100 वा विशाल स्वास्थ्य शिविर आज....

छिंदवाड़ा। मानव सेवा और जनकल्याण का ध्येय लेकर राजनीति के मैदान में उतरे जन जन के लाडले और लोकप्रिय सांसद बंटी विवेक साहू की प्रेरणा से स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। यह उपलब्धि न सिर्फ छिंदवाड़ा पांढुरना बल्कि पूरे प्रदेश और देश के लिए एक अनुपम उदाहरण है। सांसद श्री साहू की पहल और प्रेरणा से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के मौके से निशुल्क स्वास्थ शिविरों का शुभारंभ किया गया था। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री मंत्री भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म दिन तक यह शिविर लगातार सौ दिन तक छिंदवाड़ा पांढुरना जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए गए। इन सौ शिविरों में छिंदवाड़ा एवं पांढुरना जिले के करीब 70 हजार मरीज लाभान्वित हुए हैं।

सांसद बंटी विवेक साहू की पहल पर 100 दिन सेवा संकल्प और स्वास्थ्य के तहत आयोजित किए जा रहे हैं स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को आज दशहरा मैदान में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक 100 वा विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दशहरा मैदान में लगने वाले मेगा स्वास्थ्य शिविर को लेकर पूर्व संध्या पर सांसद बंटी विवेक साहू ने जनप्रतिनिधियों के साथ शिविर स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों को लेकर जायजा लिया स्वास्थ्य शिविर के निरीक्षण के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ ठाकुर, अंकुर शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता राजू नरोटे,रोटरी क्लब के अध्यक्ष दीपक खंडेलवाल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष रिजवान कुरैशी, चंद्र कुमार (चंदू जैन) प्रभु नारायण नेमा एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। स्वास्थ्य शिविर में सभी रोगों का इलाज विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। शिविर में 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे। साथ ही स्वास्थ्य शिविर का आज समापन होगा।

प्रदर्शनी का होगा उद्घाटन

छिंदवाड़ा।भारतीय जनता पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। जिला कार्यालय मंत्री अलकेश लाम्बा ने बताया कि भाजपा इस वर्ष श्रद्धेय अटल की जन्म जयंती भी मना रही है। उन्होंने बताया कि श्रद्धेय अटल की जन्म जयंती के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय में उनकी जीवन पर आधारित प्रदर्शनी लगायी जा रही है। श्रद्धेय अटल जी की जीवनी पर आधारित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव की उपस्थिति में सांसद बंटी विवेक साहू करेंगे।

एनएसएस इकाई व इनरव्हील ने लगवाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा में लोककल्याण कार्यक्रमों के अंतर्गत प्राचार्य डॉ वाय के शर्मा के संरक्षण में एनएसएस व इनर व्हील क्लब छिंदवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय में एक दिवसीय निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।कार्यक्रम का संचालन प्रो एन एस एस अधिकारी महेंद्र साहू द्वारा किया गया जिसमें जिले के प्रतिष्ठित डॉक्टर हर्षा पोपली व डॉक्टर रोशनी मालवीय ने 100 से अधिक विद्यार्थी एवं कॉलेज स्टाफ के प्रोफेसर्स का डेंटल ,स्किन एवं अन्य चेकअप किया एवं परामर्श देकर दवाइयां लिखी, डॉ नीति बत्रा व डॉ गौतम कुमार ने सर्विक्स कैंसर एवं एड्स व अन्य रोगों के प्रति जागरूकता संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को दी व डॉ पवन नेमा ने प्रकृति परीक्षण ऐप की जानकारी दी एवं उसमें बच्चों को रजिस्टर्ड करवाया , स्वास्थ्य शिविर में इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष श्रीमती डिंपल पाटनी व उनके टीम द्वारा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी मार्गदर्शन दिया। शिविर का आयोजन एनएसएस अधिकारी डॉ निधि डोडानी एवं प्रो महेंद्र साहू के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य सहित प्रो कविता शर्मा ,प्रो प्रतिभा शर्मा व स्टाफ उपस्थित रहा।निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर में एनएसएस स्वयंसेवक विशाल सलामे, संकल्प विश्वकर्मा, चंचलेश साहू, योगेश डेहरिया, दिव्यांशु, आयुष, सुरजीत,भूमिका धुर्वे, रेशमा, डिंपल, चांदनी, हिना,मुस्कान आदि स्वयंसेवको ने सहयोग प्रदान किया।

दो सहायक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा विकासखंड तामिया की प्राथमिक शाला देलाखारी के दो सहायक शिक्षक श्रीमती प्रमिला भारती और बलिराम भारती द्वारा संस्था में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने तथा मुख्यालय में निवास नहीं करने पर दोनों सहायक शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि दैनिक समाचार पत्र में 14 दिसंबर 2024 को प्रकाशित समाचार आदिवासी अंचल में बदहाल शिक्षा व्यवस्था एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी तामिया के 17 दिसंबर 2024 के माध्यम से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार पाया गया।

अरहर के साथ लगाई गोभी

पांढुर्णा जिले के ग्राम राजना में किये गये नवाचार को देखने पहुंची कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों की टीम

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार पांढुर्णा जिले के ग्राम राजना में कृषक श्री मुकेश साथहाथे के खेत में लगे 5 एकड़ में अरहर के साथ फूलगोभी की खेती का नवाचार देखने आज उप संचालक कृषि श्री जिते-?द्र कुमार सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र चंदनगाँव के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.डी.सी. श्रीवास्तव द्वारा कृषि अधिकारियों की टीम के साथ पहुँचकर निरीक्षण किया गया। कृषक श्री साथहाथे ने बताया कि ख़रीफ़ में मेड़ पर अरहर की फ़सल लगाई गई, साथ में अन्तवर्तीय फ़सल के रूप में फूलगोभी की फ़सल भी लगाई थी, जिसमें ख़रीफ़ की फूलगोभी से लगभग 5 लाख का लाभ प्राप्त किया गया। रबी में पुनः फूलगोभी लगाई है, जिससे गोभी की फ़सल निकलना प्रारंभ है। साथ ही अरहर फ़सल किस्म बीडीएन-716 फ़सल बहुत अच्छी स्थिति में है, जिससे अनुमानित 6-8 क्विंटल प्रति एकड़ प्राप्त हो जायेगी इस प्रकार किसान श्री साथहाथे 5 एकड़ खेत से अच्छा लाभ प्राप्त कर रहे है। इस फील्ड विजिट में अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्री दीपक चौरसिया, एसएडीओ सुनील गजभिये, एईओ विनोद लोखंडे, पंकज पराड़कर एवं सुश्री साक्षी खरात उपस्थित थे ।

आंबेडकर चौक में केंद्रीय मंत्री का पुतला फूंका गया

छिंदवाड़ा। भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी छिंदवाड़ा के जिला अध्यक्ष प्रदीप भाऊ जुलमे ने बताया कि सभी एससी एसटी ओबीसी माइनॉरिटी सामाजिक संगठनों एवं भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी और गोंडवाना स्टुडेंट यूनियन, अखिल भारतीय गोंडवाना पार्टी राष्ट्रीय वंशकार समाज के सयुक्त तत्वधान में संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जी के बारे में देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भरे सदन में अभद्र भाषा का चयन कर बाबा साहब अम्बेडकर जी को अपमानित किया जिससे देश के सभी बहुजन समाज के लाखों करोड़ों लोगो के दिल और भावना आहत हुई इसी के विरोध प्रदर्शन कर डॉ बाबासाहेब आंबेडकर चौक सत्कार तिराह छिंदवाड़ा में,गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया। और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर जिला कलेक्टर द्वारा महामहिम राष्ट्पति जी के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

मुंशी प्रेमचन्द द्वारा रचित कफ़न का मंचन किया

छिंदवाड़ा। प्रतिभा पारख नाट्य मंच शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान उज्जैन के द्वारा मुंशी प्रेम चन्द्र द्वारा रचित कफ़न का मंचन किया गया, जिसका निर्देशन डॉक्टर पवन नेमा ने किया। जिसमे प्रवीण चौरागडे और डॉक्टर पवन नेमा ने अभिनय किया, मंच साजसज्जा और साउंड और सह निर्देशिका अदिति जोशी ने किया जो की बहुत ही सुन्दर और अद्भुत था, केरला से भरतनाट्यम का प्रशिक्षण प्राप्त कर आयी अदिति कहती है की पहली बार छिंदवाडा आकर नाटक करना और यह आकर उन्होंने पहली बार सेट डिजाईन किया जो प्रेमचंद्र की कहानियो की तरह ही था, लाइट पर चिरंजीव पवार रहे ड्रेस साजसज्जा और मेकअप नव्या पाण्डेय ने किया, साथ ही सह कलाकार में अनाया नेमा रहे, साथ ही बेक स्टेज सहयोग कविन्द्र चौरागडे और श्रीमति कमला चौरागडे (चौरागडे बुटीक तारा कॉलोनी), डॉ रश्मि नेमा, आकाश, गिरीश, पार्य जोशी, गार्गी आचार्य, वेदांत यादव, पाशवि आचार्य, वीरेंदर जानी, अध्यक्षा रत्ना जानी और संस्था प्रमुख पंकज आचार्य ने प्रदान किया, डॉक्टर पवन नेमा बताते है यह नाटक उनके द्वारा किये गये नाटकों में से सर्वश्रेष्ट रहा है सह निर्देशिका और भरतनाट्यम वित्यांगना अदिति जोशी और प्रवीण चौरागडे के साथ काम करने का अनुभव बहुत ही अच्छा रहा

आदर्श ग्राम हेतु प्रयास जन जागरूकता करे..

जन सहभागिता ही विकास का मूल मंत्र है : रवि वर्मन

छिंदवाड़ा। म.प्र. जन अभियान परिषद जिला छिंदवाड़ा द्वारा समृद्धि योजना अंतर्गत नवांकुर संस्थाओं के क्षमतावर्धन हेतु दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का समापन मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक रवि वर्मन के आतिथ्य एवं प्रधान मंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय पी जी कॉलेज छिंदवाड़ा के प्राचार्य डाक्टर बाय के शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ।मुख्य अतिथि रवि वर्मन ने बताया कि जन सहभागिता ही विकास का मूल मंत्र है, आदर्श ग्राम के लिए जन सहभागिता के माध्यम से ही स्वच्छता, नशामुक्ति, जल सरंक्षण जैसे अन्य अभियानों को सफल बनाया जा सकता है, सरकार और समाज के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए म.प्र. जन अभियान परिषद के द्वारा शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक ले जाने का कार्य किया जा रहा है आज जन अभियान जन जन का अभियान बन गया है। प्राचार्य डाक्टर बाय के शर्मा जी ने प्रशिक्षण हेतु यूथ ओर वेल्थ की जानकारी दी, इसमें शासन की जानकारी प्रदान किया, साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित पाठ्यक्रम की जानकारी प्रदान किए। जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने प्रशिक्षण के विषय पर पूर्ण जानकारी प्रदान किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अन्य विषय विशेषज्ञों के द्वारा प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में चार्टर्ड अकाउंट सचिन वर्मा ने फर्म्स सोसायटी, धारा 27,28, एवं आडिट की जानकारी दिए। लोक सम्पक ब्यूरो अधिकारी सूचना प्रसारण विभाग के जिला अधिकारी राम सहाय प्रजापति द्वारा शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान किए।

भाजपा के झूठ को अब जनता जानने लगी है: पूर्व सांसद नकुलनाथ

पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से बोले यह वक्त संघर्ष व रणनीति बनाने का है

छिन्दवाड़ा। संकट मोचन हनुमान महाराज के परम भक्त धर्मानुरागी नकुलनाथ अपने पूर्व निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार आज ग्राम नेर पहुंचे, यहां नकुलनाथ ने सिद्ध मंदिर दादा जी दरबार शंभू धाम में बल, बुद्धि व विद्या के दाता भगवान हनुमान जी के चरणों में माथा टेका। पूजा अर्चना कर जिले, प्रदेश व देश के लिए सुख, शांति, समृद्धि मांगी साथ ही किसानों के लिए धन, धान्य, युवाओं के लिए रोजगार व मातृशक्ति के लिए सुरक्षा व सम्मान मांगा।ग्राम नेर में क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी नेर, जमुनिया, सारना व सिहोरा के कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने कहा कि भाजपा के झूठ से जनता अच्छी तरह वाकिफ हो चुकी है, यही नहीं भाजपा के झूठ से तो अब झूठ भी शर्माने लगा है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले क्या कहा था कि चुनाव जीतने के उपरांत लाड़ली बहनों को 3 हजार रुपए देंगे, आज तक नहीं मिले, उल्टे बहनों के नाम काटे जा रहे हैं। किसान खाद, बीज व बिजली और शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटक रहा, क्या भाजपा का यही सुशासन है? जनता की समस्याओं को सुलझाने से कहीं ज्यादा भाजपा का ध्यान जनता का ध्यान मोड़ने व असल मुद्दों से भटकाना होता है। इसके एक नहीं बल्कि अनेकों उदाहरण है। भाजपा का नेता कभी महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ते भ्रष्टाचार और अपराध पर बात नहीं करते। इन विषयों पर जब बात होती है तो वे इधर-उधर की बात करने लगते हैं। श्री नाथ ने अपने उदबोधन में आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि बीते 20 वर्ष में भाजपा के शासन में विकास के नाम पर मप्र कर्जदार हुआ, युवा बेरोजगार हुआ, किसान कर्जदार हुआ, आदिवासी भूमि विहीन हुआ, भ्रष्टाचार व अपराध बेलगाम हुआ है। जनता यह सबकुछ देख रही और इसका हिसाब भी लेगी।

बीजेपानी में विद्युतीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

जिले के विकास पुरूष मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की विकास निधि से होने वाले कार्यों का नकुलनाथ ने भूमिपूजन किया। क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी बीजेपानी, पिंडरई कला, कोटलबर्री व छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग दो की बैठक में सम्मिलित होने पहुंचे श्री नाथ ने छिन्दवाड़ा विधायक कमलनाथ की विकास निधि से बीजेपानी में होने वाले विद्युतीकरण कार्य का भूमिपूजन कर ग्रामवासियों को विकास की सौगात दी।

कॉलेज में नि:शुल्क लर्निंग लाईसेंस शिविर

यातायात नियमों का पालन करें ताकि दुर्घटनाओं से बच सकें :मनोज टिहिनगुनिया

छिंदवाड़ा। मधप्रदेश शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना कार्यक्रम के अन्तर्गत आज दिनांक 24.12.2024 को राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. महिम चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय छिंदवाड़ा द्वारा निःशुल्क लॉर्निंग लाईसेंस शिविर का आयोजन किया गया एवं महाविद्यालय परिवार के द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के कुल गुरू प्रो. इन्द्रप्रसाद त्रिपाठी, मुख्य वक्ता क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री मनोज टिहिनगुनिया एवं कार्यकम की अध्यक्षता श्री भरत घई अध्यक्ष जनभागीदारी पीजी कॉलेज छिंदवाडा, विशिष्ट अतिथि सत्यम मानिकपुरी जिला संगठन मंत्री अभाविप छिंदवाडा एवं तरूण किन्द्रा विश्वविद्यालय कार्य परिषद सदस्य, विशेष अतिथि तरूण सोनी की उपस्थिति में कार्यकम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. महिम चतुर्वेदी ने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया। माननीय कुल गुरू से परीक्षा एवं प्रवेश से संबंधित समस्या के हल के लिए निवेदन किया।राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा के कुल गुरू प्रो. इन्द्रप्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि सडक दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाना हमारी सच्ची सेवा है। एक सच्ची घटना का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से मानवीय मूल्यों को सहजने के लिए कर्तव्य पालन पर जोर दिया। छात्राओं की समस्याओं के निराकरण के लिए प्राचार्य को आश्वासन देते हुए कहा कि आप सब हमें समय समय पर समस्याओं से अवगत कराते रहे एवं मिलते रहे हम मिलकर विश्वविद्यालय की सारी समस्याओं को हल करेगें, विश्वविद्यालय को और अच्छा बनाने के पूरा प्रयास करेंगे।

भारत सरकार

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न
अटल बिहारी वाजपेयी जी
की 100वीं जन्म जयंती के
अवसर पर

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹ 44,600 करोड़ लागत की देश की पहली
केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का
शिलान्यास

तथा

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण

1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमिपूजन

माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में स्टाम्प और सिक्का जारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों
द्वारा

परियोजनाओं के लाभ

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना

- मध्यप्रदेश के 10 जिले छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर के 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र एवं उत्तरप्रदेश के 2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा। परियोजना से कुल 65 लाख परिवारों को मिलेगी पेयजल की सुविधा।
- जल विद्युत परियोजनाओं से हरित ऊर्जा में 130 मेगावॉट का योगदान एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास और रोज़गार को मिलेगा बढ़ावा।
- चंदेल कालीन लगभग 42 पुरातन तालाबों का होगा विकास एवं पुनर्निर्माण।
- दौधन बांध के निर्माण से बाढ़ का बेहतर प्रबंधन होगा संभव।

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना

- 518 मेगावॉट क्षमता की यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग परियोजनाओं में से एक है।
- परियोजना से कृषि एवं उद्योग हेतु उपयोगी भूमि की बचत होगी।
- जल संरक्षण एवं हरित ऊर्जा उत्पादन से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि को रोकने में सहयोग मिलेगा।

अटल ग्राम सुशासन भवन

- अटल ग्राम सुशासन भवनों का निर्माण ग्राम पंचायतों को स्थायी भवन की सुविधा प्रदान करेगा।
- ग्राम पंचायतों को प्रशासनिक कार्य करने, बैठकों के आयोजन एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सहायता मिलेगी।

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सी.आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

25 दिसम्बर, 2024 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | खजुराहो, जिला छतरपुर

D-11136/24

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2024